

## विषय सूची Contents

अनुसंधान उपलब्धियाँ / Research Achievements	2-6
आयोजित कार्यक्रम / Programmes Organized	7-9
कृषि इनपुट वितरण / Agriculture Input Distribution	10-11
प्रशिक्षण/परिचर्चा का आयोजन Trainings / Interface-Meeting Organized	11-12
किसान भ्रमण / Farmers' Visit	12
राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियाँ / Activities of Rajbhasha Karyanvayan Samiti	13
मानव संसाधन विकास / Human Resource Development	14-17
पुरस्कार एवं सम्मान / Awards and Recognitions	18-20
आगामी कार्यक्रम / Forthcoming Events	20

## निदेशक की कलम से From Director's Desk



खरपतवार कृषि-पारिस्थितिकी में गंभीर जैविक बाधाओं में से एक है, जो फसल उत्पादकता और लाभप्रदता को उल्लेखनीय रूप से कम करता है। जलवायु परिवर्तन न केवल खरपतवारों के जीवविज्ञान तथा फसल-खरपतवार अंतःक्रियाओं को प्रभावित कर रहा है, बल्कि शाकनाशी-आधारित नियंत्रण उपायों की प्रभावशीलता को भी प्रभावित कर रहा है। इन उभरती चुनौतियों के समाधान के लिए जलवायु-अनुकूलित और एकीकृत खरपतवार प्रबंधन रणनीतियाँ अपनाना आवश्यक है।

“खरपतवार समाचार” के इस अंक में निदेशालय में संचालित वर्तमान अनुसंधानों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। भारत में शाकनाशी उपभोग के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि विकसित देशों की तुलना में इसका उपयोग अपेक्षाकृत स्थिर एवं कम है, जिससे सस्य एवं जैविक उपायों के साथ संतुलित, आवश्यकता-आधारित शाकनाशी प्रबंधन (हर्बिसाइड स्टूवर्डशिप) की पर्याप्त संभावनाएँ हैं। पर्यावरण-अनुकूल खरपतवार प्रबंधन की दिशा में प्रगति के अंतर्गत जलकुम्भी के सतत नियंत्रण हेतु परपोषी-विशिष्ट जैव मेगामेलस स्क्यूटेलेरिस को दक्षिण अफ्रीका से लाया गया है। धान में जड़-आकृति (रूट फीनोटाइपिंग) अध्ययनों से स्पष्ट हुआ कि कम नमी की स्थिति में खरपतवार-फसल के बीच भूमिगत प्रतिस्पर्धा तीव्र हो जाती है, जिसमें नागरमोथा (साइपेरस रोटंडस) का अवरोधक प्रभाव लेप्टोक्लोआ चिनेन्सिस की तुलना में अधिक पाया गया है। उच्च CO<sub>2</sub> एवं तापमान की स्थिति में किए गए परीक्षणों से शाकनाशियों की प्रभावशीलता में कमी तथा नियंत्रण में विलंब के संकेत मिले, जिसके परिणामस्वरूप खरपतवार वृद्धि और उपज में अधिक हानि देखी गई। शुष्क सीधी बुवाई धान प्रणाली में, विशेषकर जंगली धान की समस्या, शीघ्र बीज झड़ने के कारण दिन-प्रति दिन गंभीर होती जा रही है, जिससे इसका मृदा बीज भंडार तीव्र गति से बढ़ रहा है। इसी प्रणाली में “स्वर्णा श्रेया” एवं “अभिषेक” जैसी खरपतवार-रोधी किस्मों के उपयोग तथा बुवाई के 20-25 दिन बाद शाकनाशी रसायन फ्लोरपाइरॉक्सिफेन-बेंज़िल + सायहैलोफॉप-ब्यूटाइल के प्रयोग से मिश्रित खरपतवार का प्रभावी नियंत्रण हुआ है। भविष्य के अनुसंधान को सुदृढ़ आधार प्रदान करने हेतु खरपतवार जर्मप्लाज्म संरक्षण को भी एक नई प्राथमिकता के रूप में आरंभ किया गया है।

हमारी प्रसार गतिविधियाँ जिसमें प्रदर्शन, प्रशिक्षण, प्रेस वार्ताएँ तथा ‘फार्मर फर्स्ट’, ‘अनुसूचित जाति एवं जनजाति उप-योजना’ और ‘मेरा गाँव मेरा गौरव’ जैसी पहलों के माध्यम से उन्नत खरपतवार प्रबंधन तकनीकों के व्यापक प्रसार एवं अंगीकरण को सुगम बनाया है। हमारे कार्मिकों द्वारा प्राप्त उपलब्धियाँ एवं सम्मान अनुसंधान और प्रसार में उत्कृष्टता के प्रति निदेशालय की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करते हैं। मैं “खरपतवार समाचार” के इस अंक के प्रकाशन हेतु संपादकीय मंडल एवं सभी योगदानकर्ताओं के समर्पित प्रयासों के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

Weeds remain one of the most serious biotic constraints in agro-ecosystems, significantly reducing crop productivity and profitability. Further, climate change leads to the altering weed biology, crop-weed interactions, and even the efficacy of herbicide-based control measures. These emerging challenges demand climate-resilient and integrated weed management strategies.

This edition of *Weed News* highlights recent studies conducted at the Directorate. An analysis of India's herbicide consumption revealed relatively stable and low usage compared to developed nations, offering scope for balanced, need-based herbicide stewardship integrated with cultural and biological approaches. Progress in eco-friendly management includes the introduction of the host-specific bioagent *Megamelus scutellaris* from South Africa for sustainable control of water hyacinth. Root phenotyping studies in rice demonstrated that moisture stress intensifies below-ground crop-weed competition, with *Cyperus rotundus* exerting greater suppressive effects than *Leptochloa chinensis*. Experiments conducted under elevated CO<sub>2</sub> and temperature conditions further revealed reduced and delayed herbicide efficacy, leading to increased weed growth and consequent yield penalties. Dry direct-seeded rice (DSR), an important resource-conserving production system, faces severe weed pressure, particularly from weedy rice due to early seed shattering and rapid soil seed bank build-up. The integration of weed-smothering varieties such as “Swarna Shreya” and “Abhishek” under DSR, along with application of florypyrauxifen-benzyl + cyhalofop-butyl at 20-25 DAS has demonstrated effective control of mixed weed flora. Strengthening weed germplasm conservation to support future research has also been initiated as a new priority area.

Our outreach activities comprising frontline demonstrations, training programmes, press briefings, and initiatives under 'FFP', 'SCSP', 'TSP', and 'MGMC' have facilitated the wider dissemination and adoption of improved weed management technologies. The achievements and recognitions earned by our staff further reflect the collective commitment of the Directorate toward excellence in research and extension. I sincerely thank the Editorial Board and all contributors for their dedicated efforts in bringing out this issue of *Weed News*.



राजभाषा पुरस्कार Rajbhasha Award



मेगामेलस स्क्यूटेलेरिस *Megamelus scutellaris*



सीधी बुवाई धान प्रणाली में “स्वर्णा श्रेया”  
“Swarna Shreya” under DSR

## अनुसंधान उपलब्धियाँ / Research highlights

### नमी प्रतिबल की स्थिति में धान-खरपतवार अंतःक्रियाओं का जड़ फेनोटाइपिंग-आधारित विश्लेषण

चंद्रकांत सिंह एवं दामरी श्रीकांत

खरीफ 2025 के दौरान धान तथा उससे संबद्ध प्रमुख खरपतवार नागरमोथा (साइप्रस रोटंडस) एवं लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस के रूट फेनोटाइपिंग अध्ययन हेतु एक प्रयोग किया गया। दोनों नमी व्यवस्थाओं में खरपतवार मुक्त धान तथा नागरमोथा एवं लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस के साथ उगाए गए धान में जड़ वितरण, गहराई एवं घनत्व में स्पष्ट अंतर परिलक्षित हुआ (चित्र 1)। नियंत्रण परिस्थितियों में खरपतवार मुक्त धान (RWFC) में अधिक जड़ लंबाई, उच्च जड़ घनत्व तथा गहरी जड़ पैठ के साथ सुविकसित जड़ तंत्र पाया गया, जो कि खरपतवारों की उपस्थिति में उगाए गए धान की तुलना में अधिक था। इसके विपरीत, नागरमोथा एवं लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस की उपस्थिति में धान की जड़ संरचना में उल्लेखनीय परिवर्तन देखे गए, जिनमें जड़ प्रसार एवं स्थानिक फैलाव में स्पष्ट कमी दर्ज की गई, जो भूमिगत स्तर पर तीव्र प्रतिस्पर्धा का संकेत देती है। समग्र रूप से, परिणाम यह संकेत करते हैं कि सूखा तनाव धान एवं उससे संबद्ध खरपतवारों के बीच भूमिगत प्रतिस्पर्धा को तीव्र करता है, जिसमें नागरमोथा, लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस की तुलना में धान की जड़ वृद्धि पर अधिक दमनकारी प्रभाव डालता है।

### धान में खरपतवारनाशकों की प्रभावकारिता पर बढ़े हुए कार्बन डाइऑक्साइड और बढ़ते तापमान का प्रभाव

दामरी श्रीकांत एवं चंद्रकांत सिंह

खरीफ 2025 के दौरान एक प्रयोग किया गया, जिसका उद्देश्य मुक्त-वायु कार्बन डाइऑक्साइड संवर्धन प्रणाली (FACE) के अंतर्गत उच्च CO<sub>2</sub> सांद्रता (EC: 550 ± 50 ppm), उच्च तापमान (ET: परिवेशीय ± 2°C) तथा उच्च CO<sub>2</sub> और उच्च तापमान के संयुक्त प्रभाव (EC+ET) का प्रभाव धान की प्रमुख खरपतवार प्रजातियों लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस एवं नागरमोथा के विरुद्ध क्रमशः सायहैलोफॉप-ब्यूटाइल (80 ग्राम एआई/हेक्टेयर) तथा एथॉक्सीसल्फूरॉन (18 ग्राम एआई/हेक्टेयर) की प्रभावशीलता पर आकलन करना था। परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि परिवेशीय परिस्थितियों की तुलना में EC तथा EC+ET दशाओं में दोनों शाकनाशियों की प्रभावशीलता में कमी आई तथा उनकी क्रियाशीलता 2-3 दिनों तक विलंबित रही। शाकनाशी अनुप्रयोग रहित प्लॉट्स (0X) में EC एवं EC+ET दोनों परिस्थितियों के अंतर्गत लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस की अपेक्षा नागरमोथा की वृद्धि अधिक पाई गई (चित्र 2)। परिणामस्वरूप, परिवेशीय दशाओं की तुलना में EC परिस्थितियों में नागरमोथा (5.07 ग्राम/पौधा) तथा लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस (5.87 ग्राम/पौधा) से ग्रस्त प्लॉट्स में धान की सर्वाधिक उपज हानि दर्ज की गई, जबकि परिवेशीय दशाओं में यह उपज हानि क्रमशः नागरमोथा के साथ उगाए गए धान में 6.04 ग्राम/पौधा तथा लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस के साथ उगाए गए धान में 6.31 ग्राम/पौधा पाई गई।

### Root phenotyping-based analysis of rice-weed interactions under moisture stress

Chandrakant Singh and Dasari Srekanth

A study was conducted during *Kharif* 2025 to evaluate below-ground interactions between rice (*Oryza sativa*) and two major associated weeds, *Cyperus rotundus* and *Leptochloa chinensis*, under varying moisture regimes using root phenotyping techniques. Distinct variations in root distribution, depth, and density were evident among weed-free rice and rice grown in association with *Cyperus rotundus* and *Leptochloa chinensis* under both moisture regimes (Figure 1). Under control conditions, weed-free rice (RWFC) exhibited a well-developed root system characterized by greater root length, higher root density, and deeper penetration compared to rice grown with weeds. In contrast, the presence of *C. rotundus* and *L. chinensis* significantly altered rice root architecture, with noticeable reductions in root proliferation and spatial spread, indicating strong below-ground



Figure 1: Root phenotypic differences in weed-free rice, rice + *C. rotundus* and rice + *L. chinensis* under drought and control conditions

competition. Overall, the results indicate that drought stress amplifies below-ground competition between rice and associated weeds, with *C. rotundus* exerting a stronger suppressive effect on rice root development than *L. chinensis*.

### Effect of elevated CO<sub>2</sub> and elevated temperature on herbicide efficacy in rice

Dasari Srekanth and Chandrakant Singh

An experiment was conducted during *Kharif* 2025 to assess the impact of elevated CO<sub>2</sub> (EC: 550 ± 50 ppm), combined effect of elevated temperature (ET: ambient ± 2°C) and elevated CO<sub>2</sub> on the efficacy of cyhalofop-butyl (80 g ai/ha) and ethoxysulfuron (18 g ai/ha) against *Leptochloa chinensis* and *Cyperus rotundus*, respectively, under FACE. The results revealed that the efficacy of both herbicides was reduced and delayed by 2-3 days under EC and EC+ET compared to ambient conditions. Weed growth in the unsprayed plots (0X) was higher for *C. rotundus* than for *L. chinensis* under both EC and EC+ET conditions (Figure 2). Consequently, the highest yield reduction in rice was observed in plots infested with *C. rotundus* (5.07 g/plant) and *L. chinensis* (5.87 g/plant) under EC compared to ambient (6.04 g/plant in rice plants with *C. rotundus* and 6.31 g/plant in rice plants with *L. chinensis*) conditions.



Figure 2: Effect of elevated CO<sub>2</sub>, elevated temperature on weed growth and biomass

## भारत में जलकुंभी के जैविक नियंत्रण हेतु मेगामेलस स्क्यूटेलारिस का परिचय

दीक्षा एम जी एवं एम संपथ कुमार

पोटेडेरिया क्रैसिपीस (जलकुंभी) भारत में एक अत्यंत विनाशकारी आक्रामक जलीय खरपतवार है। यह जल निकायों को अवरुद्ध कर, जैव विविधता को बाधित कर तथा आजीविका को प्रभावित कर गंभीर पारिस्थितिक एवं सामाजिक-आर्थिक क्षति उत्पन्न करता है। इसके सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, भा.कृ. अनु.प.-ख.अनु.नि., जबलपुर ने भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलुरु के सहयोग से एक नए जैविक नियंत्रण कारक को प्रस्तुत करने की महत्वपूर्ण पहल की है। दक्षिण अमेरिका का मूल निवासी रस-चूसक प्लान्ट हॉपर मेगामेलस स्क्यूटेलारिस बर्ग (हेमिप्टेरा: डेलफेसिडी) को जलकुंभी के संभावित जैविक नियंत्रण एजेंट के रूप में भारत में आयात किया गया है। यह प्रजाति फाइलम-भक्षण के माध्यम से उत्पन्न शारीरिक तनाव तथा द्वितीयक रोगजनकों के प्रवेश को प्रोत्साहित कर कई देशों में जलकुंभी के प्रभावी दमन में सफल सिद्ध हुई है। इसकी उच्च होस्ट-विशिष्टता और पर्यावरणीय सुरक्षा इसे एकीकृत खरपतवार प्रबंधन कार्यक्रमों के लिए आशाजनक बनाती है।

इसका आयात भारत सरकार की स्वीकृति (आयात परमिट संख्या IP001FBD2025000054, दिनांक 14.11.2025) के पश्चात किया गया। संस्कृतियों सेंटर फॉर बायोलॉजिकल कंट्रोल, रोड्स विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका से प्राप्त की गई, जो 23.11.2025 को भारत पहुँची और वर्तमान में भा.कृ.अनु.प.-एनबीएआईआर में QC-2 संगरोध के अंतर्गत संरक्षित हैं। राष्ट्रीय नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार होस्ट-विशिष्टता एवं सुरक्षा मूल्यांकन परीक्षण प्रारंभ किए जा चुके हैं, जो जलकुंभी के सतत प्रबंधन हेतु भारत के जैविक नियंत्रण विकल्पों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इसका आयात भारत सरकार की स्वीकृति (आयात परमिट संख्या IP001FBD2025000054, दिनांक 14.11.2025) के पश्चात किया गया। संस्कृतियों सेंटर फॉर बायोलॉजिकल कंट्रोल, रोड्स विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका से प्राप्त की गई, जो 23.11.2025 को भारत पहुँची और वर्तमान में भा.कृ.अनु.प.-एनबीएआईआर में QC-2 संगरोध के अंतर्गत संरक्षित हैं। राष्ट्रीय नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार होस्ट-विशिष्टता एवं सुरक्षा मूल्यांकन परीक्षण प्रारंभ किए जा चुके हैं, जो जलकुंभी के सतत प्रबंधन हेतु भारत के जैविक नियंत्रण विकल्पों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इसका आयात भारत सरकार की स्वीकृति (आयात परमिट संख्या IP001FBD2025000054, दिनांक 14.11.2025) के पश्चात किया गया। संस्कृतियों सेंटर फॉर बायोलॉजिकल कंट्रोल, रोड्स विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका से प्राप्त की गई, जो 23.11.2025 को भारत पहुँची और वर्तमान में भा.कृ.अनु.प.-एनबीएआईआर में QC-2 संगरोध के अंतर्गत संरक्षित हैं। राष्ट्रीय नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार होस्ट-विशिष्टता एवं सुरक्षा मूल्यांकन परीक्षण प्रारंभ किए जा चुके हैं, जो जलकुंभी के सतत प्रबंधन हेतु भारत के जैविक नियंत्रण विकल्पों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

## शुष्क सीधी बुवाई वाली धान में खरपतवार प्रबंधन

पीजुष कान्ति मुखर्जी एवं वी के चौधरी

शुष्क सीधी बुवाई धान (Dry DSR) में 20 DAS पर फ्लोप्रायॉक्सिफेन-बेंज़िल 2.13% + सायहैलोफॉप-ब्यूटाइल 10.65% EC का 150 ग्रा./हे. की दर से एकल पोस्ट-इमर्जेन्स (PoE) छिड़काव, क्रमिक शाकनाशी कार्यक्रम के समान प्रभावी पाया गया। क्रमिक कार्यक्रम में पेंडीमैथालिन 38.4% + पायराजोसुलफ्यूरॉन-एथाइल 0.85% ZC का 920 ग्रा./हे. की दर से प्री-इमर्जेन्स (PE) प्रयोग, तत्पश्चात 25 DAS पर फ्लोप्रायॉक्सिफेन-बेंज़िल + सायहैलोफॉप-ब्यूटाइल 150 ग्रा./हे. की दर से PoE छिड़काव शामिल था। दोनों उपचारों के बीच स्वर्णा श्रेया एवं अभिषेक किस्मों में धान की उपज में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। स्वर्णा श्रेया में उपज 6.1-6.3 टन/हे. तथा अभिषेक में 6.0-6.2 टन/हे. दर्ज की गई। खरपतवार-प्रतिस्पर्धी किस्मों को व्यापक स्पेक्ट्रम वाले एकल PoE शाकनाशी के साथ एकीकृत करने से शुष्क DSR परिस्थितियों में घास, मोथा एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण हुआ, बिना उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डाले। यह रणनीति खरपतवार प्रबंधन को सरल बनाती है, क्रमिक शाकनाशी प्रयोग पर निर्भरता कम करती है तथा लागत-प्रभावशीलता एवं स्थिरता को बढ़ावा देती है।

शुष्क सीधी बुवाई धान (Dry DSR) में 20 DAS पर फ्लोप्रायॉक्सिफेन-बेंज़िल 2.13% + सायहैलोफॉप-ब्यूटाइल 10.65% EC का 150 ग्रा./हे. की दर से एकल पोस्ट-इमर्जेन्स (PoE) छिड़काव, क्रमिक शाकनाशी कार्यक्रम के समान प्रभावी पाया गया। क्रमिक कार्यक्रम में पेंडीमैथालिन 38.4% + पायराजोसुलफ्यूरॉन-एथाइल 0.85% ZC का 920 ग्रा./हे. की दर से प्री-इमर्जेन्स (PE) प्रयोग, तत्पश्चात 25 DAS पर फ्लोप्रायॉक्सिफेन-बेंज़िल + सायहैलोफॉप-ब्यूटाइल 150 ग्रा./हे. की दर से PoE छिड़काव शामिल था। दोनों उपचारों के बीच स्वर्णा श्रेया एवं अभिषेक किस्मों में धान की उपज में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। स्वर्णा श्रेया में उपज 6.1-6.3 टन/हे. तथा अभिषेक में 6.0-6.2 टन/हे. दर्ज की गई। खरपतवार-प्रतिस्पर्धी किस्मों को व्यापक स्पेक्ट्रम वाले एकल PoE शाकनाशी के साथ एकीकृत करने से शुष्क DSR परिस्थितियों में घास, मोथा एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण हुआ, बिना उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डाले। यह रणनीति खरपतवार प्रबंधन को सरल बनाती है, क्रमिक शाकनाशी प्रयोग पर निर्भरता कम करती है तथा लागत-प्रभावशीलता एवं स्थिरता को बढ़ावा देती है।

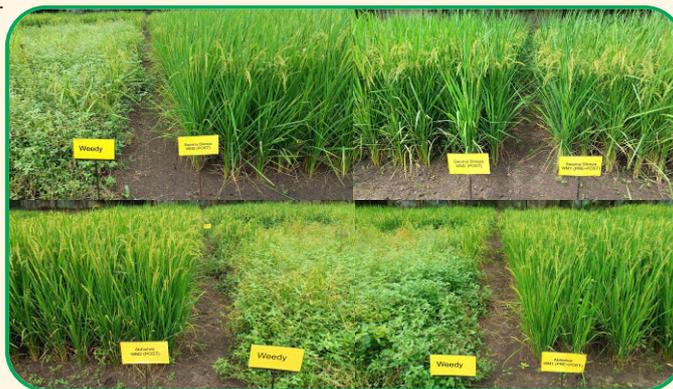


Figure 4. Comparative field views of single PoE, sequential PE + PoE herbicide applications, and weedy check in dry DSR under Swarna Shreya and Abhishek varieties

## Introduction of *Megamelus scutellaris* for biological control of water hyacinth in India

Deeksha M G and M Sampath Kumar

*Pontederia crassipes* (Water hyacinth), a highly destructive invasive aquatic weed in India, causes severe ecological and socio-economic impacts by choking water bodies, disrupting biodiversity, and affecting livelihoods. To promote sustainable and environmentally safe management, the ICAR-DWR, Jabalpur, in collaboration with the ICAR-National Bureau of Agricultural Insect Resources, Bengaluru, has taken a significant step by

introducing a new biological control agent. The sap-feeding plant hopper *Megamelus scutellaris* Berg (Hemiptera: Delphacidae), native to South America, has been imported into India as a prospective biological control agent against water hyacinth. The species has shown effective suppression

of water hyacinth in several countries through phloem-feeding-induced physiological stress and facilitation of secondary pathogen invasion, with proven host specificity and environmental safety. The importation was undertaken following approval from the Government of India (Import Permit No. IP001FBD2025000054 dated 14.11.2025). Cultures sourced from the Centre for Biological Control, Rhodes University, South Africa, arrived on 23.11.2025 and are currently maintained under QC-2 quarantine at ICAR-NBAIR. Host specificity and safety evaluation trials have been initiated as per national regulatory guidelines, marking a significant advancement in strengthening India's biological control options for sustainable management of water hyacinth.

## Weed management in dry direct-seeded rice

Pijush Kanti Mukherjee and V K Choudhary

A single post-emergence (PoE) application of florasulfuron-benzyl 2.13% + cyhalofop-butyl 10.65% EC at 150 g/ha applied at 20 DAS was as effective as the sequential herbicide application with pendimethalin 38.4% + pyrazosulfuron-ethyl 0.85% ZC at 920 g/ha as pre-emergence, followed by florasulfuron-benzyl 2.13% + cyhalofop-butyl 10.65% EC at 150 g/ha at 25 DAS in dry direct-seeded rice (DSR). No significant differences in grain yield were observed between the two treatments in Swarna Shreya and Abhishek, with yields ranging from 6.1-6.3 t/ha and 6.0-6.2

t/ha, respectively. Integration of these weed-competitive varieties with a single broad-spectrum PoE application effectively controlled mixed weed flora (grasses, sedges, and broadleaf weeds) without compromising yield. This strategy simplifies weed management, reduces dependence on sequential herbicide applications, and enhances cost-effectiveness and sustainability in dry DSR systems.

## धान आधारित पारिस्थितिकी तंत्र में खरपतवार मेजबानों से कवक अलगावों का संग्रह और रूपात्मक विश्लेषण

मनोज कुमार यादव, देबस्मिता लाहा, चंद्रकांत सिंह एवं डी श्रीकांत

धान की पारिस्थितिकी तंत्र में उपस्थित खरपतवार अक्सर विभिन्न कवक रोगजनकों के लिए वैकल्पिक मेजबान का कार्य करते हैं और खरपतवार की स्थायित्व और प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए, खरपतवारों से जुड़े कवक विविधता को समझना प्रभावी खरपतवार प्रबंधन रणनीतियों के लिए आवश्यक है। ICAR-DWR, जबलपुर के धान के खेतों से *डाइनेब्रा रेट्रोफ्लेक्सा* के संक्रमित पत्तियों के नमूने एकत्र किए गए, जिनमें रोग के विशिष्ट लक्षण दिखाई दे रहे थे। कुल 20 कवकीय आइसोलेट्स में से छह आइसोलेट्स क्रमशः DB-05, DB-07, DB-08, DB-09, DB-14 तथा DB-41 (चित्र 5) ने कॉलोनी रूप रेखा में महत्वपूर्ण भिन्नता दिखाई, जो चावल की पारिस्थितिकी तंत्र में *डी. रेट्रोफ्लेक्सा* से जुड़े कवक आबादी में व्यापक रूपात्मक विविधता को दर्शाती है।

## जंगली धान में बीज झड़ने का व्यवहार एवं इसका प्रबंधनात्मक महत्व

जीतेन्द्र कुमार सोनी, सुरभि होता एवं वी के चौधरी

जंगली धान, धान आधारित फसल प्रणालियों में एक गंभीर समस्या है, जो अपनी तीव्र प्रतिस्पर्धी क्षमता तथा प्रभावी बीज प्रसार के कारण फसल उत्पादन को प्रभावित करता है। इसकी प्रमुख अनुकूलनशील विशेषताओं में शीघ्र एवं अधिक बीज झड़ना शामिल है, जिससे कटाई से पहले ही बीजों का गिरना तथा मृदा बीज भंडार का निरंतर पुनर्भरण होता है (चित्र 6)। खरीफ 2025 के दौरान जंगली धान में बीज झड़ने के व्यवहार के अध्ययन हेतु एक प्रयोग किया गया। शून्य दिवस को 50 प्रतिशत पुष्पन की अवस्था के रूप में परिभाषित किया गया तथा बीज झड़ने का आकलन साप्ताहिक अंतराल पर (0-7, 8-14, 15-21 एवं 21-28 दिन) किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि समय के साथ बीज झड़ने की मात्रा में निरंतर वृद्धि हुई। प्रारंभिक 0-7 दिनों में बीज झड़ना अपेक्षाकृत कम (5.7-11.4 प्रतिशत) रहा, किंतु 14 दिनों के भीतर संचयी रूप से लगभग 14-19 प्रतिशत बीज झड़ चुके थे। इसके पश्चात 15-21 दिनों में 9.0-14.3 प्रतिशत तथा 21-28 दिनों में 11.9-16.5 प्रतिशत बीज झड़ना दर्ज किया गया, जिससे 28 दिनों में कुल संचयी बीज झड़ना लगभग 38-47 प्रतिशत तक पहुँच गया। यह दर्शाता है कि जंगली धान के बीजों का एक बड़ा भाग फसल कटाई से पहले ही खेत में गिर जाता है। इसके विपरीत, संवर्धित धान किस्म MTU1010 तथा बैंगनी धान किस्म श्यामला में 28 दिनों तक शून्य बीज झड़ना पाया गया, जिससे यह पुष्टि होती है कि अधिक बीज झड़ना जंगली धान की एक विशिष्ट अनुकूलनशील विशेषता है। अतः जंगली धान के प्रभावी एवं दीर्घकालिक नियंत्रण हेतु शीघ्र तथा निवारक प्रबंधन उपायों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे बीजों की मृदा में पुनः वापसी को रोका जा सके।

## Collection and morphological analysis of fungal isolates from weed hosts in rice-based ecosystems

Manoj Kumar Yadav, Debasmita Laha, Chandrakant Singh and D Sreekanth

Weeds present in rice ecosystems often act as alternative hosts for diverse fungal pathogens and play an important role in disease persistence and spread.

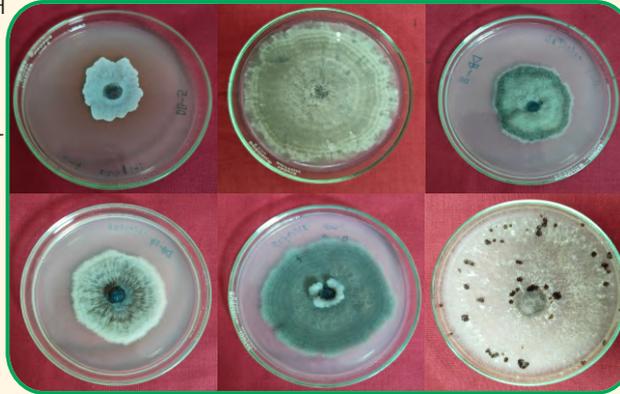


Figure 5: Morphological variability of fungal isolates grown on potato dextrose agar

Therefore, understanding the fungal diversity associated with weeds is essential for effective weed management strategies. Infected leaf samples of *Dinebra retroflexa* showing characteristic disease symptoms were collected from rice fields of ICAR-DWR, Jabalpur. Out of 20 fungal isolates, six isolates viz., DB-05, DB-07, DB-08, DB-09, DB-14, and DB-41 (Figure 5) exhibited marked variation in colony morphology, indicating substantial morphological

diversity within the fungal population associated with *D. retroflexa* in the rice ecosystem.

## Seed shattering behavior of weedy rice and its management significance

Jeetendra K Soni, Surabhi Hota and V K Choudhary

Weedy rice is a major constraint in rice-based cropping systems due to its strong competitive ability and efficient seed dispersal. Among its adaptive traits, early and high seed shattering plays a crucial role in its persistence by enabling seed loss well before harvest and continuous replenishment of the soil seed bank (Figure 6). An experiment was undertaken during *Kharif* 2025 to study the seed shattering behaviour of weedy rice. Zero day (Day 0) was defined as the stage of 50% anthesis, and seed shattering was



Figure 6: Seed shattering of weedy rice

recorded at weekly intervals (0-7, 8-14, 15-21 and 21-28 days). The results revealed a progressive increase in shattering with time. During the initial 0-7 days, shattering remained relatively low (5.7-11.4%); however, cumulative seed loss reached about 14-19% within 14 days after anthesis. Shattering intensified thereafter, with values of 9.0-14.3% during 15-21 days and 11.9-16.5% during 21-28 days, resulting in cumulative seed shattering of about 38-47% by 28 days. This indicates that a substantial proportion of weedy rice seeds is shed before crop harvest. In contrast, the cultivated rice variety MTU1010 and the purple rice variety Shyamala recorded zero seed shattering up to 28 days, confirming that high shattering is a specific adaptive trait of weedy rice. These findings highlight the importance of early and preventive management strategies to restrict seed return and achieve long-term control of weedy rice.

**क्या भारत का शाकनाशी उपयोग वैश्विक प्रवृत्तियों का अनुसरण करता है?**

**ए जमालुद्दीन, पी के सिंह एवं योगिता घरडे**

1990—2022 की अवधि के लिए FAOSTAT के कीटनाशी-उपयोग आँकड़ों का उपयोग करते हुए शाकनाशी उपयोग की वृद्धि प्रवृत्तियों तथा वैश्विक स्तर पर भारत की हिस्सेदारी का विश्लेषण किया गया। परिणामों से वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर शाकनाशी उपभोग के प्रतिरूपों में स्पष्ट विचलन दिखाई देता है। वैश्विक स्तर पर, अध्ययन अवधि के दौरान शाकनाशी उपयोग में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई, जो 1990 में 698.2 kt से बढ़कर 2022 में 1,942.6 kt हो गया। इस अवधि में 3.56% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) दर्ज की गई। यह सतत विस्तार विश्व स्तर पर आधुनिक, बड़े पैमाने पर तथा यंत्रीकृत कृषि प्रणालियों में शाकनाशियों पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है, विशेष रूप से 2000 के बाद के वर्षों में, यद्यपि वैश्विक आर्थिक तनाव की अवधियों के दौरान अल्पकालिक उतार-चढ़ाव देखे गए।

इसके विपरीत, भारत में शाकनाशी उपयोग पूरे अध्ययन काल में अपेक्षाकृत कम और लगभग स्थिर रहा। 1990 के दशक की शुरुआत में सीमित वृद्धि के बाद, 2000 के दशक में उपयोग में उतार-चढ़ाव देखा गया और 2010 के बाद यह लगभग 6.3 kt पर स्थिर हो गया। संपूर्ण अध्ययन अवधि में भारत में शाकनाशी उपयोग की CAGR दर -0.41% रही, जो कुल वृद्धि में उहराव को दर्शाती है। इन परस्पर भिन्न प्रवृत्तियों के परिणामस्वरूप, वैश्विक शाकनाशी उपयोग में भारत की हिस्सेदारी में निरंतर गिरावट दर्ज की गई, जो 1990 के दशक की शुरुआत में 0.83—1.03% से घटकर 2022 में 0.33% रह गई। यह गिरावट, स्थिर कुल उपयोग के बावजूद, वैश्विक शाकनाशी परिदृश्य में भारत की घटती सापेक्ष स्थिति को दर्शाती है। समग्र रूप से, यह विश्लेषण वैश्विक और भारतीय शाकनाशी उपयोग प्रवृत्तियों के बीच बढ़ते अंतर को रेखांकित करता है, जो कृषि प्रणालियों की संरचना, यंत्रीकरण के स्तर तथा खरपतवार प्रबंधन पद्धतियों में मौलिक भिन्नताओं को प्रतिबिंबित करता है।

**खरपतवार जर्मप्लाज्म का अन्वेषण एवं संग्रहण**

**एस आई कुवर्दादरा, डी श्रीकांत, डी वी पवार एवं दीक्षा एम जी**

जबलपुर जिले एवं आसपास के क्षेत्रों में खरपतवार जर्मप्लाज्म के संग्रह हेतु एक अन्वेषण सर्वेक्षण किया गया, जिसमें बताई, बरगी क्षेत्र, पादरिया, पाटा, पनागर, मंडला तथा समीपवर्ती अन्य क्षेत्र सम्मिलित थे (चित्र 8)। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्रों, बंजर भूमि तथा प्राकृतिक आवासों में पाई जाने वाली प्रमुख खरपतवार प्रजातियों का सर्वेक्षण, संग्रहण एवं प्रलेखन करना था, विशेषकर उन प्रजातियों का जो भा.कू.अनु.प.—खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के जीनबैंक में उपलब्ध नहीं थीं। इस सर्वेक्षण के दौरान 20 से अधिक खरपतवार प्रजातियों का सफलतापूर्वक संग्रह किया गया, जिनमें जंगली धान भी शामिल है। संकलित नमूनों का प्रसंस्करण किया गया तथा बीजों को पृथक कर



**Does India's herbicide use follow global trends?**

**A Jamaludheen, P K Singh and Yogita Gharde**

The growth trends and India's share in global herbicide use were analysed using FAOSTAT pesticide-use data for the period 1990—2022. The results reveal a marked divergence between global and national patterns of herbicide consumption. Globally, herbicide use increased steadily over the study period, rising from 698.2 kt in 1990 to 1,942.6 kt in 2022, and recording a compound annual growth rate (CAGR) of 3.56%. This sustained expansion reflects the increasing dependence on herbicides in modern, large-scale, and mechanized agricultural systems worldwide, particularly after the early 2000s, despite short-term fluctuations during periods of global economic stress.

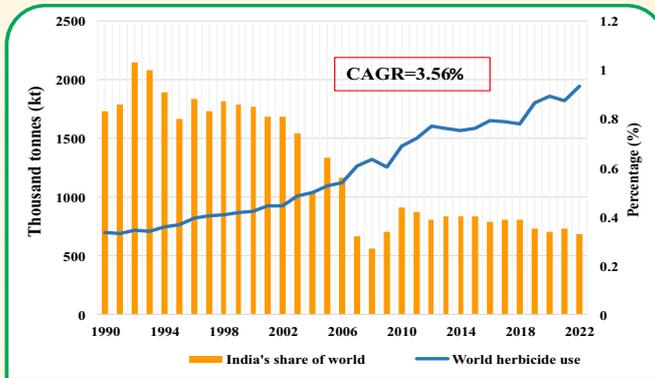


Figure 7: Temporal trends in global herbicide use and India's share

In contrast, India's herbicide use remained low and largely stagnant throughout the period.

Following modest growth in the early 1990s, herbicide consumption in India fluctuated during the 2000s and stabilized at around 6.3 kt from 2010 onwards. Over the entire study period, India registered a negative CAGR of -0.41%, indicating stagnation in the overall growth of herbicide use. As a consequence of these contrasting trajectories, India's share in global herbicide use declined consistently, falling from about 0.83—1.03% in the early 1990s to 0.33% by 2022. This declining share highlights India's diminishing relative position in the global herbicide landscape, even as absolute use levels remained stable. Overall, the analysis underscores a widening gap between global and Indian herbicide use trends, reflecting structural differences in agricultural systems, levels of mechanization, and weed management practices.

**Exploration and collection of weed germplasm**

**S I Kuwardadra, D Srekanth, D V Pawar and Deeksha M G**

An exploration survey for the collection of weed germplasm was conducted in and around Jabalpur district, comprising Batai, Barghi, Padaria, Pata, Panagar, and Mandla (Figure 8). The primary objective of the survey was to identify, collect, and document prominent weed flora occurring in agricultural fields, wastelands, and natural habitats of the region that were not previously conserved in the ICAR-DWR genebank. The survey resulted in the successful collection of



Figure 8: Collection of weed germplasm from different locations

more than 20 weed species, which also includes weedy rice. The collected samples were processed, and seeds were extracted,

साफ किया गया, ताकि उन्हें जीनबैंक में सुरक्षित संरक्षण तथा बीज गुणन हेतु रखा जा सके। यह सामग्री भविष्य में खरपतवार जीवविज्ञान, बीज सुप्तावस्था तंत्र, तनाव सहनशीलता, अनुकूलन लक्षणों आदि से संबंधित अनुसंधान को सुदृढ़ करने में सहायक होगी। इस प्रकार के प्रयास निदेशालय के खरपतवार जर्मप्लाज्म संसाधनों को सुदृढ़ करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

### चयनात्मक मेडिकैगो पॉलीमोर्फा बीज भंडार प्रबंधन हेतु संभावनाशील कवकीय कोशिका-मुक्त अर्कों के प्रति प्रमुख रबी फसलों की फसल-विशिष्ट अंकुरण प्रतिक्रियाएँ

हिमांशु महावर, अनुशिका अवस्थी एवं आकृति पांडेय

मेडिकागो पॉलीमोर्फा रबी फसलों में एक प्रमुख खरपतवार है, जिसका स्थायी मृदा बीज भंडार बार-बार संक्रमण का कारण बनता है। इस अध्ययन में सात कवकीय कोशिका-मुक्त अर्कों (सी.एफ.ई.) (डीएफ-1, डीएफ-9, डीएफ-13, डीएफ-14, डीएफ-18, डीएफ-26, डीएफ-39) की फसल सुरक्षा एवं चयनात्मकता का मूल्यांकन किया गया, जिन्होंने पूर्व में एम. पॉलीमोर्फा के अंकुरण पर 95-100% अवरोध प्रदर्शित किया था। इनके प्रभावों का आकलन छह प्रमुख रबी फसलों के बीज अंकुरण पर इन विट्रो फिल्टर पेपर परीक्षण द्वारा किया गया। अंकुरण प्रतिशत उपचार के 10 दिन बाद दर्ज कर बिना

उपचारित नियंत्रण से तुलना की गई। अनाज फसलों में कवकीय सी.एफ.ई. के प्रति उच्च सहनशीलता देखी गई। गेहूँ में डीएफ-26 (90%) को छोड़कर सभी आइसोलेट्स के अंतर्गत 100% अंकुरण दर्ज किया गया, जबकि जौ में अधिकांश उपचारों में 100% अंकुरण रहा

तथा डीएफ-1 और डीएफ-39 के अंतर्गत हल्की कमी (90%, ≤10% विचलन) पाई गई। दलहनी फसलें भी अनुकूल रहीं, मटर में 90-100% अंकुरण दर्ज हुआ, जो नियंत्रण (73-33%) से अधिक था, तथा चना में 90-100% अंकुरण रहा, जबकि डीएफ-14 और डीएफ-39 के अंतर्गत मध्यम कमी (80%) देखी गई। अलसी में आइसोलेट-विशिष्ट मध्यम संवेदनशीलता (80-90%) पाई गई, जबकि डीएफ-1 और डीएफ-26 में 100% अंकुरण रहा। इसके विपरीत, सरसों अत्यधिक संवेदनशील रही (0-20% बनाम 60% नियंत्रण), जहाँ डीएफ-14, डीएफ-26 और डीएफ-39 ने पूर्ण अवरोध उत्पन्न किया, जिससे सहनशील एवं संवेदनशील फसलों के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित हुआ (चित्र 9)। अध्ययन में एम. पॉलीमोर्फा के विरुद्ध कवकीय सी.एफ.ई. की फसल-विशिष्ट चयनात्मकता स्पष्ट हुई। अनाज एवं दलहनी फसलों में उच्च सहनशीलता (≤10% विचलन) पाई गई, जो अनाज-दलहन फसल चक्र में इनके उपयोग का समर्थन करती है। अलसी में आइसोलेट-निर्भर मध्यम संवेदनशीलता देखी गई, जिसके लिए मात्रा परिशोधन आवश्यक है। सरसों अत्यधिक संवेदनशील (40-100% अवरोध) रही, जिससे इसकी संगतता सीमित होती है। सतत उपयोग हेतु फसल-वार अनुकूलन एवं क्षेत्रीय प्रमाणीकरण आवश्यक है।

cleaned and dried for conservation in the genebank and seed multiplication to facilitate future research on weed biology, seed dormancy mechanisms, stress tolerance, adaptive traits, etc. These efforts are essential for strengthening weed germplasm repositories of the directorate.

### Crop-specific germination responses of major Rabi crops to promising fungal cell-free extracts for selective *Medicago polymorpha* seed bank management

Himanshu Mahawar, Anushika Awasthi and Akruiti Pandey

*Medicago polymorpha* is a major Rabi weed due to its persistent soil seed bank, causing recurrent infestations. This study evaluated the crop safety and selectivity of seven fungal cell-free extracts (DF-1, DF-9, DF-13, DF-14, DF-18, DF-26, DF-39) that previously showed 95-100% inhibition of *M. polymorpha* germination. Their effects on seed germination of six major Rabi crops were assessed in vitro using a filter paper assay, with germination recorded 10 days after treatment and compared to untreated controls.

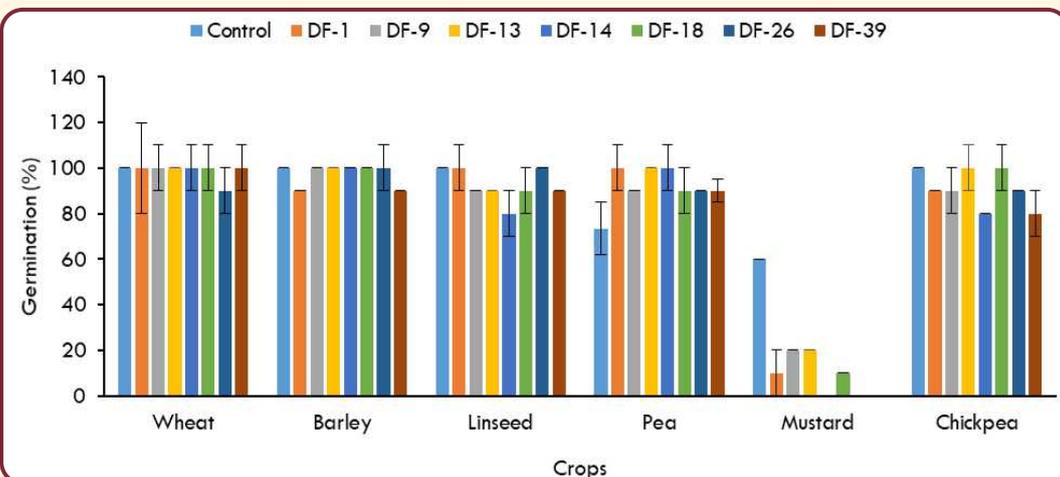


Figure 9: Germination response (%) of major Rabi crops to selected fungal cell-free extracts at 10 DAT under filter-paper assay

Cereal crops exhibited high tolerance to fungal CFEs. Wheat maintained 100% germination under all isolates except DF-26 (90%), while barley showed 100% germination in most treatments, with

slight reductions (90%) under DF-1 and DF-39 (≤10% deviation). Pulses were similarly compatible: pea germination ranged from 90-100%, exceeding the control (73.33%), and chickpea recorded 90-100%, with moderate reductions (80%) under DF-14 and DF-39. Linseed displayed moderate, isolate-specific sensitivity (80-90%), except under DF-1 and DF-26 (100%). In contrast, mustard was highly sensitive (0-20% vs 60% control), with DF-14, DF-26, and DF-39 causing complete inhibition, clearly distinguishing tolerant from susceptible crops (Figure 9). The study highlighted crop-specific selectivity of fungal CFEs against *M. polymorpha*. Cereals and pulses showed high tolerance (≤10% deviation), supporting use in cereal-pulse rotations. Linseed exhibited moderate, isolate-dependent sensitivity, requiring dose refinement. Mustard was highly sensitive (40-100% inhibition), limiting compatibility. Field validation and crop-wise optimization are essential for sustainable application.

## निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम/Programmes organized at the Directorate

### गाजरघास जागरूकता सप्ताह

20वाँ गाजरघास जागरूकता सप्ताह भा.कृ.अनु.प.—ख.अनु.नि., जबलपुर द्वारा 16 से 22 अगस्त 2025 के दौरान आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य गाजरघास से कृषि, पर्यावरण तथा मानव एवं पशु स्वास्थ्य को होने वाले गंभीर नुकसान के प्रति देशभर में जागरूकता फैलाना था। इस सप्ताहव्यापी अभियान में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों, राज्य कृषि विभागों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं समाजसेवी संगठनों की सक्रिय सहभागिता रही। जागरूकता सप्ताह के दौरान जागरूकता रैलियाँ, व्याख्यान, कार्यशालाएँ, वेबिनार, उन्मूलन अभियान, जैविक नियंत्रण कीटों का प्रक्षेपण एवं वितरण, किसानों से संवाद तथा यूट्यूब लाइव कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से देशभर में दस लाख से अधिक लोगों तक गाजरघास प्रबंधन का संदेश पहुँचा। इस पहल में सामुदायिक सहभागिता एवं एकीकृत प्रबंधन रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया तथा गाजरघास के प्रभावी प्रबंधन हेतु प्रयासों को और सशक्त बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ इसका सफल समापन हुआ।



### Parthenium Awareness Week

The 20<sup>th</sup> Parthenium Awareness Week was organized by the ICAR-DWR, Jabalpur, from 16 to 22 August 2025 to create nationwide awareness about the serious threat posed by *Parthenium hysterophorus* to agriculture, the environment, and human and animal health. The week-long campaign witnessed active participation from agricultural universities, ICAR institutes, Krishi Vigyan Kendras, state agriculture departments, schools, colleges, and voluntary organizations across the country. A wide range of activities, including awareness rallies, lectures, workshops, webinars, eradication drives, release and distribution of biocontrol agents, farmer interactions, and YouTube live programmes, were conducted, reaching more than one million people. The initiative emphasized community participation and integrated management approaches, and concluded successfully with the collective resolve to strengthen efforts towards effective management of Parthenium.



### जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा

निदेशालय द्वारा 1 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा 2025 का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य जनजातीय विरासत का सम्मान करना तथा सतत कृषि आजीविका को बढ़ावा देना था। यह पखवाड़ा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवधि के दौरान जबलपुर एवं मंडला जिलों में जागरूकता, प्रशिक्षण एवं सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें वैज्ञानिक कृषि पद्धतियाँ, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कटाई उपरांत क्षति की रोकथाम, संतुलित पोषण, मोटे अनाज आधारित आहार, जीआई-टैग प्राप्त कृषि उत्पाद तथा कृषि रसायनों के सुरक्षित उपयोग पर विशेष ध्यान दिया गया।



### Janjatiya Gaurav Varsh Pakhwada

The Directorate observed Janjatiya Gaurav Varsh Pakhwada 2025 from 1 to 15 November 2025 to honour tribal heritage and promote sustainable agricultural livelihoods, commemorating the 150<sup>th</sup> birth anniversary of Bhagwan Birsa Munda. A series of awareness, training, and outreach programmes were conducted across Jabalpur and Mandla districts, focusing on scientific farming practices, soil health management, prevention of post-harvest losses, balanced nutrition, millet-based diets, GI-tagged produce, and safe use of agrochemicals.



### स्वच्छता पखवाड़ा

निदेशालय द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का आयोजन 16 से 31 दिसंबर 2025 तक किया गया, जिसकी शुरुआत स्वच्छता अभियानों, जागरूकता गतिविधियों, पौधारोपण कार्यक्रमों तथा ई-ऑफिस एवं ई-एचआरएमएस के प्रचार के साथ हुई। निकटवर्ती कॉलोनियों एवं गाँवों में भी जनसंपर्क गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें कर्मचारियों एवं स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता से स्वच्छता एवं सतत स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा दिया गया।

### Swachhta Pakhwada

The Directorate observed Swachhta Pakhwada 2025 from 16-31 December 2025, starting with cleanliness drives, awareness activities, plantation programmes, and promotion of e-Office and e-HRMS. Outreach activities were also conducted in nearby colonies and villages with active participation of staff and local communities, promoting cleanliness and sustainable sanitation practices.

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत, बडेरिया मेट्रो प्राइम अस्पताल, जबलपुर के सहयोग से कर्मचारियों एवं स्टाफ सदस्यों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य एवं प्राथमिक जांच शिविर आयोजित किया गया। यह आयोजन स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं समग्र कल्याण के प्रति निदेशालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

As part of the Pakhwada, a free Healthcare cum Primary Check-up Camp was organized on 26 December 2025 in collaboration with Baderia Metroprime Hospital, Jabalpur for the benefit of employees and staff members, further reinforcing the Directorate's commitment to health, hygiene, and overall well-being.



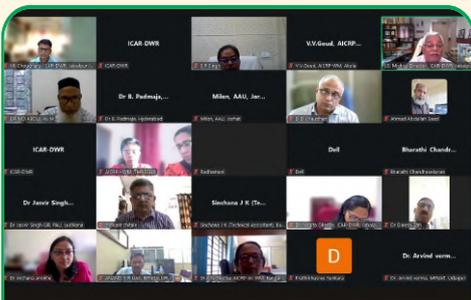
क्र.सं. Sr No.	कार्यक्रम Programme	दिनांक Date	प्रतिभागी Participants	मुख्य अंश Highlights
1.	प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की किस्त जारी होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम  Programme on the occasion of the release of Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM-Kisan)	02 अगस्त 2025  02 August 2025	120 किसान एवं निदेशालय के कर्मचारी  120 farmers and Directorate Staff	किसानों ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लाइव संबोधन को देखा, जिसके दौरान पीएम-किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की गई और इसके तहत ₹20500 करोड़ राशि देशभर के 9.7 करोड़ किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की गई।  Farmers watched the live address of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi during the release of the 20 <sup>th</sup> installment of PM-Kisan Samman Nidhi, under which over ₹20,500 crore was directly credited to 9.7 crore farmers nationwide.
2.	79वाँ स्वतंत्रता दिवस  79 <sup>th</sup> Independence Day	15 अगस्त 2025  15 August 2025	निदेशालय के समस्त कर्मचारी और उनके बच्चे  Directorate Staff and their children	कर्मचारियों और उनके बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं  Cultural performances by staff and their children
3.	प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के शुभारंभ पर आयोजित कार्यक्रम  Programme on the Launch of PM Dhan-Dhanya Krishi Yojana and Pulses Atmanirbharta Mission	11 अक्टूबर 2025  11 October 2025	303 प्रतिभागी, जिनमें किसान एवं निदेशालय के कर्मचारी शामिल थे  303 participants which include farmers and Directorate staff	माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने तीन ऐतिहासिक पहलें शुरू कीं प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, और राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन।  Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi launched three historic initiatives-Pradhan Mantri Dhan-Dhanya Krishi Yojana, Pulses Self-Reliance Mission, and the National Natural Farming Mission.
4.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025  Vigilance Awareness Week 2025	27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2025  27 October to 02 November 2025	निदेशालय के कर्मचारी  Directorate Staff	विषय: सतर्कता - हमारी साझा जिम्मेदारी  Theme: Vigilance - Our Shared Responsibility
5.	'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ	07 नवंबर 2025	निदेशालय के कर्मचारी	इस कार्यक्रम की शुरुआत "वंदे मातरम" के सामूहिक गायन से हुई, इसके बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संबोधन लाइव प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने इस गीत के माध्यम से आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर और पुनर्जीवित भारत 2047 की दृष्टि को प्रेरित करने की बात कही।

150 <sup>th</sup> Anniversary of 'Vande Mataram'	07 November 2025	Directorate Staff	The event began with a mass rendition of "Vande Mataram", followed by the live address of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, who highlighted how this timeless song inspires the nation's vision of a confident, self-reliant, and resurgent Bharat 2047.
6. विश्व मृदा दिवस World Soil Day	05 दिसंबर 2025 05 December 2025	100 प्रतिभागी, जिनमें छात्र, वैज्ञानिक एवं शोधार्थी शामिल थे। 100 participants including students, scientists and research fellows.	विषय: "स्वस्थ मृदा, स्वस्थ नगर" Theme: "Healthy Soils for Healthy cities"
7. किसान सम्मान दिवस सह विकसित भारत- G RAM G अधिनियम 2025 पर जागरूकता कार्यक्रम Kisan Samman Diwas cum Awareness Programme on Viksit Bharat-G RAM G Act 2025	23 दिसंबर 2025 23 December 2025	किसानों एवं निदेशालय के कर्मचारियों सहित कुल 206 प्रतिभागी 206 participants including farmers and Directorate Staff	डॉ. पी. के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने विकसित भारत-G RAM G अधिनियम 2025 पर व्याख्यान दिया तथा कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा ग्रामीण विकास पर इसके महत्व और प्रभाव को रेखांकित करते हुए वर्चुअल संबोधन भी किया गया। Dr. P. K. Singh, Principal Scientist, delivered a talk on Viksit Bharat-G RAM G Act 2025, and the programme included a virtual address by the Hon'ble Union Minister of Agriculture highlighting its significance and impact on rural development.



### समीक्षा बैठक / Review Meeting

विद्याश्री ट्रेडर्स के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर हेतु संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (ITMC) की बैठक 22 जुलाई 2025 को आयोजित की गई। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना-खरपतवार प्रबंधन (AICRP-WM) की तृतीय तिमाही की त्रैमासिक समीक्षा बैठक 13-14 अक्टूबर 2025 को आयोजित की गई। संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (ITMC) की बैठक 31 अक्टूबर 2025 को आयोजित की गई। संस्थान प्रबंधन समिति (IMC) की बैठक 11 नवंबर 2025 को आयोजित की गई।	The Institute Technology Management Committee (ITMC) meeting for MoU signing with Vidyashree Traders was held on 22 July 2025. The Quarterly Review Meeting of the AICRP-Weed Management (AICRP-WM) for the 3 <sup>rd</sup> Quarter was conducted during 13-14 October 2025. The Institute Technology Management Committee (ITMC) meeting was held on 31 October 2025. The Institute Management Committee (IMC) meeting was held on 11 November 2025.
---	--



**कृषि इनपुट वितरण / Agriculture Input Distribution**

क्र.सं.	योजना	कृषि सामग्री	दिनांक	स्थान	लाभार्थियों की संख्या		
Sr.No.	Scheme	Agricultural inputs	Date	Locality	No. of Beneficiaries		
1.	फार्मर फर्स्ट परियोजना  Farmer FIRST Programme	शाकनाशी – नोविक्सड (फ्लोरपाइरॉक्सिफेन –बेंज़िल + पेनॉक्ससलाम), विवाया (पेनॉक्ससलाम + सायहेलोफॉप-ब्यूटिल) एवं टिंज़र (टोप्रामेज़ोन)	30 जुलाई 2025	खुख्खम गाँव	34		
		Herbicides - Novixid (florpyrauxifen-benzyl+penoxsulam), Vivaya (Penoxsulam + Cyhalofop-butyl) and Tynzer (Topramezone)	30 July 2025	Khukkhham village			
		गेहूँ बीज (GW-322 एवं HDCSW-18) वेस्टा शाकनाशी (क्लोडिनाफॉप प्रोपारजिल + मेट्सल्फयूरॉन मिथाइल)	28 नवंबर 2025	खुख्खम गाँव	54		
		Wheat seeds (GW-322 & HDCSW-18) VESTA herbicide (Clodinafop 2025 Propargyl+ Metsulfuron Methyl)	28 November 2025	Khukkhham village			
		ड्यूल पर्पज़ स्प्रेयर	23 दिसंबर 2025	खुख्खम गाँव	35		
		Dual purpose sprayer	23 December 2025	Khukkhham village			
		2.	अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी)  Scheduled Caste Sub-Plan (SCSP)	पौधे (आम, अमरुद, नींबू, सहजन एवं सीताफल)	25 अगस्त 2025	पाटन विकासखंड जबलपुर	85
				Saplings (Mango, Guava, Lemon, Moringa, and Custard apple)	25 August 2025	Patan Block Jabalpur	
		गेहूँ बीज (GW-322), यूरिया, डीएपी एवं जैव उर्वरक	04-06 नवंबर 2025	पाटन विकासखंड जबलपुर	113		
		Wheat seeds (GW-322), Urea, DAP and Biofertilizer	04-06 November 2025	Patan Block Jabalpur			
		स्प्रेयर तथा भंडारण डिब्बे			75		
		Sprayer and Storage bins					
		शाकनाशी (क्लोडिनाफॉप प्रोपारगिल + मेट्सल्फयूरॉन मिथाइल)	24 नवंबर 2025	पाटन विकासखंड जबलपुर	113		
		Herbicide (Clodinafop Propargyl + Metsulfuron Methyl)	24 November 2025	Patan Block Jabalpur			
		सब्जी किट			50		
		Vegetable kits					
		यूरिया एवं पोस्ट-इमर्जेन्स शाकनाशी (नोवलेक्ट)	7 अगस्त 2025	डुंगरिया गाँव, मंडला जिला	60		
		Urea and post-emergent herbicide (Novlect)	7 August 2025	Dungaria village, Mandla District			
		गेहूँ बीज (किस्म GW-322), यूरिया तथा शाकनाशी (क्लोडिनाफॉप + मेट्सल्फयूरॉन)	17 नवंबर 2025	डुंगरिया गाँव, मंडला जिला	60		
		wheat seed (cv. GW 322), urea, and herbicide (clodinafop + metsulfuron)	17 November 2025	Dungaria village, Mandla District			
3.	अनुसूचित जनजाति उप-योजना (टीएसपी)  Scheduled Tribe Sub-Plan (TSP)	यूरिया एवं पोस्ट-इमर्जेन्स शाकनाशी (नोवलेक्ट)	7 अगस्त 2025	डुंगरिया गाँव, मंडला जिला	60		
		Urea and post-emergent herbicide (Novlect)	7 August 2025	Dungaria village, Mandla District			
		गेहूँ बीज (किस्म GW-322), यूरिया तथा शाकनाशी (क्लोडिनाफॉप + मेट्सल्फयूरॉन)	17 नवंबर 2025	डुंगरिया गाँव, मंडला जिला	60		
		wheat seed (cv. GW 322), urea, and herbicide (clodinafop + metsulfuron)	17 November 2025	Dungaria village, Mandla District			



**प्रशिक्षण, कार्यशाला एवं परिचर्चा का आयोजन/Tranings, Workshop and Interface-meeting organized**

क्र.सं. Sr.	प्रशिक्षण / कार्यशाला / परिचर्चा Traning/Workshop/ Interface-meeting	दिनांक एवं स्थान Date and Venue	समन्वयक एवं योजना Coordinator and Scheme	प्रतिभागी Participants
1.	"जलवायु संकट से निपटने हेतु खाद्य, भूमि एवं जल प्रणालियों का रूपांतरण" पर राज्य स्तरीय कार्यशाला State Workshop on the theme: "Transforming Food, Land and Water (FLW) Systems to Combat the Climate Crisis"	12 अगस्त 2025 (आईजीकेवी, रायपुर) 12 August 2025 (IGKV, Raipur)	भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि. जबलपुर और आईजीकेवी, रायपुर ICAR-DWR, Jabalpur and IGKV, Raipur	45
2.	"सतत कृषि हेतु स्मार्ट खरपतवार प्रबंधन" पर दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम  10 days online training on "Smart Weed Management for Sustainable Agriculture"	1-10 सितंबर 2025 (भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि.) 1-10 September 2025 (ICAR-DWR)	डॉ. वी.के. चौधरी (पाठ्यक्रम निदेशक), इंडियन सोसाइटी ऑफ वीड साइंस तथा भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि., जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में Dr. V.K. Choudhary (Course Director), Jointly organized by the Indian Society of Weed Science and ICAR-DWR, Jabalpur	463
3.	रबी फसलों में खरपतवार प्रबंधन की उन्नत तकनीकों पर तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण Three days farmer's training on Advances in Weed Management practices in Rabi crops	4-6 नवंबर 2025 (भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि.) 4-6 November 2025 (ICAR-DWR)	डॉ. योगिता घरडे (अनुसूचित जाति उपयोजना) Dr. Yogita Gharde, (Scheduled Caste Sub Plan)	109
4.	कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा  Farmer-scientist interface meeting	14 नवंबर 2025 (खुक्खम गांव) 14 November 2025 (Khukkham village)	डॉ. पी.के. मुखर्जी (फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम) Dr. P.K. Mukherjee (Farmer FIRST Programme)	40
5.	प्रशिक्षण सह आदान वितरण कार्यक्रम  Training cum Input Distribution Programme	17 नवम्बर 2025 (डुंगरिया गाँव) 17 November 2025 (Dungaria Village)	डॉ. पी.के. सिंह (टीएसपी कार्यक्रम) Dr. P.K. Singh (TSP programme)	60
6.	प्रशिक्षण सह कृषक-वैज्ञानिक संवाद बैठक: गेहूँ में खरपतवार प्रबंधन एवं महत्वपूर्ण आदानों का वितरण A training cum farmer-scientist interface meeting on weed management in wheat and distribution of Critical Input	28 नवंबर 2025 (खुक्खम गांव) 28 November 2025 (Khukkham village)	डॉ. पी.के. मुखर्जी (फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम) Dr. P.K. Mukherjee (Farmer FIRST Programme)	54
7.	कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा  Farmer-scientist interface meeting	22 दिसम्बर, 2025 (डुंगरिया गाँव) 22 December, 2025 (Dungaria Village)	डॉ. पी.के. सिंह (टीएसपी कार्यक्रम) Dr. P.K. Singh (TSP programme)	60



### किसान भ्रमण / Farmers' Visit

जुलाई से दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं बिहार राज्यों के विभिन्न जिलों के कृषकों का प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रदर्शन एवं कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में कुल 875 कृषकों ने सहभागिता की, जो उक्त अवधि में व्यापक विस्तार गतिविधियों एवं प्रभावी कृषक पहुँच को दर्शाता है।

During July to December 2025, a series of trainings, field demonstrations, and farmer-scientist interaction programmes were organized for the farmers from various districts of Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Chhattisgarh, and Bihar.

A total of 875 farmers participated in these programmes, reflecting extensive outreach and effective farmer engagement during the reporting period.



### विद्यार्थी भ्रमण / Students' Visit

क्रम संख्या Sr.No.	संस्था Institution	दिनांक Date	विद्यार्थियों की संख्या No. of students
1.	विंग्स कान्वेंट स्कूल, महाराजपुर Wings Convent School, Maharajpur	22 अगस्त 2025 22 August 2025	31
2.	विंग्स कान्वेंट स्कूल, महाराजपुर Wings Convent School, Maharajpur अब्बोट बेटें हायर सेकेंडरी स्कूल, महाराजपुर Abbot Baeten Higher Secondary School Maharajpur	05 दिसंबर 2025 05 December 2025	58



## राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियां / Activities of Rajbhasha Karyanvayan Samiti

### त्रैमासिक बैठक का आयोजन

- जुलाई से सितम्बर, 2025 की तिमाही में दिनांक 02.09.2025 को तिमाही बैठक का आयोजन किया गया।
- अक्टूबर से दिसम्बर, 2025 की तिमाही में दिनांक 29.12.2025 को तिमाही बैठक का आयोजन किया गया।

### हिंदी कार्यशाला

- 15 सितम्बर, 2025: *यूनानी औषधि* विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. पंकज कुमार राय, एजीएम, बीआरबीआरआई-टीसी, जबलपुर द्वारा जानकारी प्रदान की गई।
- 16 सितम्बर, 2025: *स्वास्थ्य जागरूकता* कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. जयदेव तिवारी एवं डॉ. प्रीति तिवारी, मिशन हेल्दी वेल्दी इंडिया, जबलपुर ने सहभागिता की।
- 31 अक्टूबर, 2025: *सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी* विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. शोभा साँधिया, प्रधान वैज्ञानिक, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय द्वारा व्याख्यान दिया गया।



### हिंदी पखवाड़ा

15 से 29 सितंबर 2025 तक निदेशालय में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर निदेशक द्वारा राजभाषा शपथ दिलाई गई तथा माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का संदेश पढ़ा गया। पखवाड़े का उद्घाटन 15 सितंबर 2025 को मुख्य अतिथि डॉ. पंकज कुमार, एजीएम, बीआरबीआरआई-टीसी, जबलपुर की उपस्थिति में हुआ। पखवाड़े के दौरान निबंध लेखन, यूनिकोड टाइपिंग, हिंदी श्रुतलेख, प्रारूपण एवं टिप्पण लेखन, अंताक्षरी, वाद-विवाद एवं प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं तथा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किए गए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री राजीव कुमार शुक्ला, अपर महानिदेशक (सेवानिवृत्त), प्रसार भारती, नई दिल्ली रहे, जिसमें निदेशालय की वार्षिक हिंदी पत्रिका "त्रिण संदेश" (अंक-20) सहित विभिन्न द्विभाषी प्रकाशनों का विमोचन किया गया।



### Quarterly Meetings Organized

- During the July–September 2025 quarter, a quarterly meeting was organized on 02-09-2025.
- During the October–December 2025 quarter, a quarterly meeting was organized on 29-12-2025.

### Hindi Workshops

- 15 September 2025: A lecture on the topic *Unani Medicine* was organized, in which Dr. Pankaj Kumar Rai, AGM, BRBRI–TC, Jabalpur, delivered the session.
- 16 September 2025: A *Health Awareness* programme was organized, with participation by Dr. Jayadev Tiwari and Dr. Preeti Tiwari, Mission Healthy Wealthy India, Jabalpur.
- 31 October 2025: A programme on the theme *Vigilance is Our Shared Responsibility* was organized, in which Dr. Shobha Saundhiya, Principal Scientist, Directorate of Weed Research, delivered the lecture.

### Hindi Pakwada

The Hindi Pakwada was organized at the Directorate from 15 to 29 September 2025. On the occasion of Hindi Day, the Rajbhasha Pledge was administered by the Director and the message of the Hon'ble Minister of Agriculture and Farmers' Welfare was read out. The Pakwada was inaugurated on 15 September 2025 in the presence of the Chief Guest, Dr. Pankaj Kumar, AGM, BRBRI–TC, Jabalpur. Various competitions were organized during the Pakwada, and prizes were awarded under the incentive scheme for effective use of Hindi in official work. The closing ceremony was held with Shri Rajeev Kumar Shukla, Additional Director General (Retd.), Prasar Bharati, New Delhi, as the Chief Guest, during which the annual Hindi journal "Trin Sandesh" (Issue-20) and other bilingual publications were released.



## विशिष्ट आगन्तुक / Distinguished Visitors

- प्रो. पी.के. मिश्र, कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर ने 22 अगस्त 2025 को
- Prof. P.K. Mishra, Vice Chancellor, Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur on 22 August 2025
- श्री राजीव कुमार सिंह, सचिव, विंग्स वेलफेयर सोसाइटी, जबलपुर ने 22 अगस्त 2025 को
- Mr. Rajeev Kumar Singh, Secretary, Wings Welfare Society, Jabalpur on 22 August 2025
- डॉ. पंकज कुमार, ए.जी.एम., बी.आर.बी.आर.ए.आई.-टी.सी., जबलपुर ने 15 सितंबर 2025 को
- Dr. Pankaj Kumar, AGM, BRBRI–TC, Jabalpur on 15 September 2025
- श्री राजीव कुमार शुक्ला, अतिरिक्त महानिदेशक (से.नि.), प्रसार भारती, नई दिल्ली ने 29 सितंबर 2025 को
- Shri Rajeev Kumar Shukla, Additional Director General (Retd.), Prasar Bharati, New Delhi on 29 September 2025

## मानव संसाधन विकास / Human Resource Development

### सेमिनार, सम्मेलनों और कार्यशाला में भागीदारी सम्मेलन

- डॉ. पी.के. मुखर्जी ने 05-07 अक्टूबर, 2025 के दौरान आईआरआरआई दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (ISARC), वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत में आयोजित 'डीएसआर सम्मेलन' में भाग लिया।
- डॉ. जे.के. सोनी ने 19-24 अक्टूबर, 2025 के दौरान नानजिंग, चीन में आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान कांग्रेस (IWSC) में "पूर्वी हिमालयी पहाड़ियों में मक्का के साथ दलहनी अंतःफल द्वारा सतत खरपतवार एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन" विषय पर भाग लिया।
- दासारी श्रीकांत ने तेलंगाना विश्वविद्यालय, तेलंगाना में युवा भारत को रूपांतरित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर सशक्तिकरण के लिए नवाचार कौशल पर तेलंगाना विज्ञान कांग्रेस (TSC&2025) में भाग लिया।
- डॉ. जे.के. सोनी एवं डॉ. सुरभि होता ने 20-21 नवंबर, 2025 के दौरान भा.कृ.अनु.प.—उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र अनुसंधान परिसर, त्रिपुरा केंद्र, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "सतत पहाड़ी कृषि की खोज लामप्रदता एवं पारिस्थितिक संतुलन हेतु नवाचार, भविष्य की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए" (PASEL-2025) में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र, डॉ. शोभा सोंधिया, डॉ. पी.के. मुखर्जी एवं डॉ. वी.के. चौधरी ने 24-26 नवंबर, 2025 के दौरान एनएएससी, नई दिल्ली में आयोजित 6वें अंतरराष्ट्रीय कृषि विज्ञान (एग्रोनॉमी) कांग्रेस "स्मार्ट कृषि-खाद्य प्रणालियों एवं पर्यावरणीय संरक्षण हेतु कृषि विज्ञान की पुनर्कल्पना" में भाग लिया।
- डॉ. वी.के. चौधरी ने 11-12 दिसंबर, 2025 को रायपुर में बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट सोसाइटी एवं भारतीय पादप रोगविज्ञान सोसाइटी द्वारा आयोजित "फसल पौधों में जैविक तनाव प्रबंधन" की नवीन रणनीतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

### सेमिनार

- डॉ. जमालुद्दीन ए. ने 1 जुलाई 2025 को भा.कृ.अनु.प.—आईएआरआई, नई दिल्ली के कृषि अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार "भारत का विकास रूपांतरण प्रसंस्करण क्षेत्र, कृषि राजनीति, संघवाद और राज्य-निर्देशित विकास" में भाग लिया।

### कार्यशाला

- डॉ. वी.के. चौधरी ने 07-09 अगस्त 2025 को राजस्थान वासुदेव सिंह कृषि विश्वविद्यालय (RVSKVV), ग्वालियर (म.प्र.) में आयोजित 32वें वार्षिक समूह बैठक AICRP on Rapeseed & Mustard के दौरान "सरसों में ओरबांच का प्रबंधन" विषयक ब्रेनस्टॉर्मिंग बैठक में भाग लिया।
- भा.कृ.अनु.प.—ख.अनु.नि., जबलपुर के सभी वैज्ञानिकों ने 12 अगस्त 2025 को भा.कृ.अनु.प.—ख.अनु.नि., जबलपुर द्वारा आयोजित "भोजन, भूमि और जल प्रणालियों का रूपांतरण जलवायु संकट से मुकाबला" विषयक राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया।

### Participation in seminars, conferences and workshops Conference

- Dr. P.K. Mukherjee attended the 'DSR (Direct-seeded rice) Conclave' held at IRRI South Asia Regional Centre (ISARC), Varanasi, UP, India during 05-07 October, 2025.
- Dr. J.K. Soni attended 9<sup>th</sup> International Weed Science Congress (IWSC) on "Sustainable weed and soil health management through maize with legume intercropping in Eastern Himalayan Hills" at Nanjing, China during 19-24 October, 2025.
- Dasari Srekanth attended Telangana Science Congress (TSC-2025) on Innovative Skills for Empowerment-Science and Technology for Transforming Young India at Kakatiya University, Telangana.
- Dr. J.K. Soni and Dr. Surabhi Hota attended International Conference (PASEL-2025) on "The pursuit for sustainable hill farming: Innovations for profitability and ecological balance to ensure a future livelihood (PASEL-2025)" at ICAR-Research Complex for NEH Region, Tripura Centre, Lembucherra, Tripura during 20-21 November, 2025.
- Dr. J.S. Mishra, Dr. Sobha Sondhia, Dr. P.K. Mukherjee and Dr. V.K. Choudhary attended 6<sup>th</sup> International Agronomy Congress on "Re-envisioning Agronomy for Smart Agri-food Systems and Environmental Stewardship" at NASC, New Delhi during 24-26 November, 2025.
- Dr. V.K. Choudhary attended National conference on "Novel Strategies for Biotic Stress Management in Crop Plants" organized by Biotic Stress Management Society and Indian Phytopathological Society at Raipur during 11-12 December, 2025.

### Seminar

- Dr. Jamaludheen A. attended seminar on Developing India "Food processing sector: Farm politics, Federalism and state-directed Development" organized by Division of Agril. Economics, ICAR-IARI, New Delhi on 1 July 2025.

### Workshop

- Dr. V.K. Choudhary attended Brainstorming meeting on "Management of Orobanchae in mustard" during 32 Annual Group Meeting of AICRP on Rapeseed & Mustard at RVSKVV, Gwalior (MP) during 07-09 August 2025.
- All Scientists of ICAR-DWR, Jabalpur attended State level workshop on "Transforming Food, Land and Water Systems to Combat the Climate Crisis" organized by ICAR-DWR, Jabalpur on 12 August 2025.



- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 19 अगस्त 2025 को RLBCAU, झांसी द्वारा आयोजित "दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए रोडमैप" पर ब्रेन स्टॉर्मिंग सेशन में भाग लिया।
- डॉ. हिमांशु महावर ने 26 सितंबर 2025 को एनएएससी परिसर, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित "नेक्स्ट-जनरेशन प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट के लिए फंक्शनल प्लांट माइक्रोबायोम का उपयोग" विषय पर विचार-मंथन सत्र में भाग लिया।
- डॉ. शहदेव आई.के. ने 31 दिसंबर 2025 को भारत में एनएएस द्वारा आयोजित "कृषि में जीनोम संपादन – संभावनाएँ और चुनौतियाँ" विषय पर ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन में भाग लिया।

### प्रशिक्षण में भागीदारी

- डॉ. जे.के. सोनी ने 21-25 जुलाई 2025 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-एनएएसएएम, हैदराबाद द्वारा आयोजित "आर का उपयोग करके प्रायोगिक डेटा का विश्लेषण" विषयक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. दासारी श्रीकांत, डॉ. दीपक पवार, डॉ. दीक्षा एम.जी., डॉ. चंद्रकांत सिंह, डॉ. मनोज कुमार यादव, डॉ. अर्चना अनोखे और डॉ. शाहदेव आई.के. ने 16 जुलाई-5 अगस्त 2025 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-एनआईएसएम, बरामती द्वारा आयोजित "कृषि में अबायोटिक तनाव प्रबंधन के लिए ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग कर डेटा विश्लेषण हेतु उन्नत सांख्यिकी और मशीन लर्निंग तकनीक" विषयक ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।
- डॉ. जे.के. सोनी और डॉ. सुरभि होता ने 16 अगस्त से 16 सितंबर 2025 के दौरान गुजरात नेचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी द्वारा भा.कृ.अनु.प. के सहयोग से आयोजित "प्राकृतिक खेती एवं उभरती प्रौद्योगिकियाँ (कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, आईओटी) सतत कृषि की प्रगति" विषय पर इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल ट्रेनिंग कम समर स्कूल प्रोग्राम में भाग लिया।
- डॉ. दीपक पवार ने 19-28 अगस्त 2025 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "जैवसुरक्षा और जैवसुरक्षारू नीतियाँ, निदान, फाइटोसैनिटरी उपचार और मुद्दे" विषयक प्रशिक्षण में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 20 अगस्त 2025 को भा.कृ.अनु.प.-आईजीएफआरआई, झांसी द्वारा आयोजित रबी दलहन की वार्षिक समूह बैठक के फसल उत्पादन सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 20 अगस्त 2025 को भा.कृ.अनु.प.-सीएएफआरआई, झांसी द्वारा आयोजित गाजरघास जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. अर्चना अनोखे ने 28 अगस्त-13 सितंबर 2025 के दौरान रूडन विश्वविद्यालय के एग्रीरियन एंड टेक्नोलॉजिकल इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित "कृषि अनुसंधान में उन्नत कौशलरू ब्रिक्स और एससीओ में सतत विकास की चुनौतियाँ" कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. चंद्रकांत सिंह और डॉ. मनोज कुमार यादव ने 1-10 सितंबर 2025 के दौरान आईएसडब्ल्यूएस और भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि., जबलपुर द्वारा आयोजित "सतत कृषि के लिए स्मार्ट खरपतवार प्रबंधन" विषयक ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।
- डॉ. अर्चना अनोखे ने 09-15 सितंबर 2025 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-आईएसएसआरआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "सांख्यिकीय गणना एवं सर्वेक्षण डेटा विश्लेषणरू विधियाँ और तकनीकें" विषयक प्रशिक्षण में भाग लिया।
- डॉ. योगिता घरडे ने 11-20 नवंबर 2025 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-एनबीएसएस एवं भूमि उपयोग नियोजन, नागपुर द्वारा आयोजित "मृदा विज्ञान के लिए आर (R)" विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. अर्चना अनोखे ने 14-16 अक्टूबर 2025 के दौरान एनआईपीएचएम, हैदराबाद द्वारा आयोजित "क्लाइमेट स्मार्ट फसल संरक्षण रणनीतियाँ" विषयक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।



- Dr. J.S. Mishra attended Brainstorming Session on "Roadmap for attaining the self-sufficiency in Pulses" organized by RLBCAU, Jhansi on 19 August 2025.
- Dr. Himanshu Mahawar attended Brainstorming Session on "Harnessing the Functional Plant Microbiome for Next-Generation Plant Health Management" organized by NASC Complex, ICAR New Delhi on 26 September 2025.
- Dr. Shahdeo I.K. attended Brainstorming Session on "Genome Editing in Agriculture - Prospects and Challenges" organized by NAAS, India on 31 December 2025.

### Participation in Training

- Dr. J.K. Soni attended an online training programme on "Analysis of Experimental Data Using R" organized by ICAR-NAARM, Hyderabad during 21-25 July 2025.
- Dr. Dasari Sreekanth, Dr. Deepak Pawar, Dr. Deeksha M.G., Dr. Chandrakant Singh, Dr. Manoj Kumar Yadav, Dr. Archana Anokhe and Dr. Shahdeo I.K. attended an online training on "Advanced Statistical and Machine Learning Techniques for Data Analysis Using Open-Source Software for Abiotic Stress Management in Agriculture" organized by ICAR-NIASM, Baramati during 16 July-5 August 2025.
- Dr. J.K. Soni and Dr. Surabhi Hota attended International Agricultural Training cum Summer School Program on "Natural Farming and Emerging Technologies (AI, Drones, IoT): Advancing Sustainable Agriculture" organized by Gujarat Natural Farming Science University, in collaboration with ICAR during 16 August-16 September 2025.
- Dr. Deepak Pawar attended training on "Biosecurity and Biosafety: Policies, Diagnostics, Phytosanitary Treatments and Issues" organized by ICAR-NBPGR, New Delhi during 19-28 August 2025.
- Dr. J.S. Mishra Chaired the Crop production Session of Annual Group meeting of Rabi pulses organized by ICAR-IGFRI, Jhansi on 20 August 2025.
- Dr. J.S. Mishra attended Parthenium Awareness Programme organized by ICAR-CAFRI, Jhansi on 20 August 2025.
- Dr. Archana Anokhe attended advanced Skills in Agro Research: Challenges of Sustainable Development in BRICS and SCO organized by Agrarian and Technological Institute of RUDN University during 28 August-13 September 2025.
- Dr. Chandrakant Singh and Dr. Manoj Kumar Yadav attended an online training on "A Smart Weed Management for Sustainable Agriculture" organized by ISWS and ICAR-DWR, Jabalpur during 1 September-10 September 2025.
- Dr. Archana Anokhe attended training on "Statistical Computation and Survey Data Analysis: Methods and Techniques" organized by ICAR- IASRI, New Delhi during 09-15 September 2025.
- Dr. Yogita Gharde attended an online training programme on "R for Soil Science" organized by ICAR-NBSS and Land Use Planning, Nagpur during 11-20 November 2025.
- Dr. Archana Anokhe attended an online training programme on "Climate Smart Crop Protection Strategies" organized by NIPHM, Hyderabad during 14-16 October 2025.

**व्याख्यान/ प्रस्तुति**

- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 22-28 अगस्त 2025 के दौरान सलालाह, धोफर, ओमान सलतनत में आयोजित पार्थेनियम वर्कशॉप में “भारत/दक्षिण एशिया में पार्थेनियम का वितरण, संक्रमण स्तर और प्रभाव” विषय पर लेक्चर दिया।
- डॉ. वी.के. चौधरी ने 26 अगस्त 2025 को कृषि महाविद्यालय, जेएनकेवीवी, जबलपुर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में “संरक्षण कृषि के अंतर्गत खरपतवार प्रबंधन” विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र एवं डॉ. डी. श्रीकांत ने “सतत कृषि हेतु स्मार्ट खरपतवार प्रबंधन” विषयक 10-दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (1-10 सितंबर 2025) में व्याख्यान प्रदान किए।
- डॉ. शोभा सोंधिया ने 2 सितंबर 2025 को भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि., जबलपुर द्वारा आयोजित 10-दिवसीय आईएसडब्ल्यूएस राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में “शाकनाशी अवशेष, स्थायित्व एवं अपघटन” विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. वी.के. चौधरी ने 10 सितंबर 2025 को भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि., जबलपुर द्वारा आयोजित “सतत कृषि के लिए स्मार्ट खरपतवार प्रबंधन” विषयक 10-दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में “सब्जी फसलों में स्मार्ट खरपतवार प्रबंधन” विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र एवं डॉ. वी. के. चौधरी ने 27 सितंबर 2025 को जबलपुर में नेशनल टर्मरिक बोर्ड और स्पाइस बोर्ड द्वारा आयोजित किसान उत्पादक संगठन-निर्यातक मीट में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और स्थायी उत्पादन के लिए हल्दी में खरपतवार प्रबंधन पर एक टॉक दिया।
- डॉ. वी.के. चौधरी ने 11 नवंबर 2025 को भा.कृ.अनु.प.-आईआईआरएमआर, भरतपुर द्वारा आयोजित “खरपतवार गतिकी पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खरपतवार वनस्पति में परिवर्तन एवं सहनशील प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता” विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

**किसान मेले में भागीदारी**

- डॉ. वी.के. चौधरी एवं डॉ. चंद्रकांत सिंह ने 17-19 नवंबर 2025 के दौरान केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा आयोजित “क्षेत्रीय कृषि मेला 2025-26” में भाग लिया, जिसका आयोजन विश्वविद्यालय के संघटक कृषि महाविद्यालय, किर्देमकुलाई, री-भोई ज़िला, मेघालय में किया गया।

**प्रदर्शनियों में भागीदारी**

- डॉ. वी.के. चौधरी ने 24-26 नवंबर 2025 के दौरान एनएएससी, नई दिल्ली में आयोजित 6वें अंतरराष्ट्रीय एग्रोनॉमी कांग्रेस के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया।

**समीक्षा बैठक**

- डॉ. शोभा सोंधिया एवं डॉ. योगिता घारडे ने 14 अगस्त 2025 को आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा डीडीजी (एनआरएम) के तत्वावधान में आयोजित “विजन 2050” समीक्षा बैठक में भाग लिया।

**Lectures Delivered/ Presentation**

- Dr. J.S. Mishra delivered lecture on “distribution, infestation levels and impact of Parthenium in India/South Asia” in the Parthenium Workshop organized by Salalah, Dhofar Sultanate of Oman during 22-28 August 2025.
- Dr. V.K. Choudhary delivered a lecture to state level training programme on “Weed management under conservation agriculture” organized by College of Agriculture, JNKVV, Jabalpur on 26 August 2025.
- Dr. J. S. Mishra and Dr. D. Sreekanth delivered lectures during the 10-day National Training Programme on Smart Weed Management for Sustainable Agriculture, jointly organized by ICAR-DWR and ISWS, Jabalpur, from 1 to 10 September 2025.
- Dr. Shobha Sondhia presented a lecture on Herbicide residue, persistence and degradation in 10-day ISWS National Training organized by ICAR-DWR Jabalpur on 2 September 2025.
- Dr. V.K. Choudhary delivered lecture on “Smart Weed Management in vegetable crops” in 10-days National training on Smart Weed Management for sustainable agriculture organized by ICAR-DWR Jabalpur 10 September 2025.
- Dr. J.S. Mishra and Dr. V.K. Choudhary delivered talk on Weed management in turmeric for climate change adoption and sustainable production at farmers producer organization-exporter meets organized by National Turmeric Board and Spice Board at Jabalpur on 27 September 2025.



- Dr. V.K. Choudhary delivered online lecture on “Impact of climate change on weed dynamics: Shifts in weed flora and the need for resilient technologies” organized by ICAR-IIRMR, Bharatpur on 11 November 2025.

**Participation in Kisan Mela**

- Dr. V.K. Choudhary and Dr. Chandrakant Singh attended the “Regional Agri Fair 2025-26” organized by Central Agricultural University, Imphal which is scheduled to be held at its constituent College of Agriculture, Kyrdemkulai, Ri-Bhoi District, Meghalaya during 17-19 Nov., 2025.

**Participation in Exhibition**

- Dr. V.K. Choudhary attended the exhibition during attended 6<sup>th</sup> International Agronomy Congress at NASC, New Delhi during 24-26 November, 2025.

**Review meeting**

- Dr. Shobha Sondia and Dr. Yogita Gharde attended Review meeting on vision 2050 by DDG (NRM) organized by ICAR- New Delhi on 14 August 2025.

### बैठक में भागीदारी

- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 4 जुलाई 2025 को एनएएएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. वी.के. चौधरी ने 4 जुलाई 2025 को भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि., जबलपुर द्वारा आयोजित आईएसडब्ल्यूएस की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र एवं डॉ. जमालुद्दीन ए. ने 7 जुलाई 2025 को डीडीजी (एनआरएम) की अध्यक्षता में आयोजित प्रौद्योगिकी प्रमाणीकरण संबंधी ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र, डॉ. पी.के. सिंह, डॉ. शोभा सोंधिया एवं डॉ. वी.के. चौधरी ने 7 जुलाई 2025 को डीडीजी, भा.कृ.अनु.प.-एनआरएम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रमाणन उत्पाद / प्रौद्योगिकी समिति की ऑनलाइन जूम बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 30 जुलाई 2025 को भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम के संबंध में माननीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र, डॉ. पी.के. सिंह एवं श्री एम. के. मीणा ने 31 जुलाई 2025 को नराकास कार्यालय जबलपुर द्वारा आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में शामिल हुए।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 14 अगस्त 2025 को भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली में महानिदेशक (डीजी), आईसीएआर की अध्यक्षता में आयोजित "फ्यूचर प्लान 2050" विषयक बैठक में भाग लिया।
- डॉ. अर्चना अनोखे ने 4 सितंबर 2025 को भारत की जैव विविधता संधि (सीबीडी) हेतु सातवीं राष्ट्रीय रिपोर्ट (एनआर-7) की तैयारी के लिए राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, भारत द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रारंभिक बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 17 अक्टूबर 2025 को विश्वभारती, शांति निकेतन में सहायक प्रोफेसर (कृषि विज्ञान) पद हेतु चयन समिति की बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 26 नवंबर 2025 को भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली में माननीय महानिदेशक, आईसीएआर के साथ आयोजित संवाद बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 27 नवंबर 2025 को एटारी, जबलपुर में आयोजित राज्य-स्तरीय कार्यशाला के लिए संवाद बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 28 नवंबर 2025 को केवीके, अनूपपुर में आयोजित केवीके, अनूपपुर की एसएसी बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.एस. मिश्र ने 16 जुलाई 2025 को आयोजित 97वें भा.कृ.अनु.प. स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लिया।

### दिवस / संगोष्ठी आयोजित

- निदेशालय ने 02 अगस्त 2025 को एससीएसपी के तहत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) जारी होने के अवसर पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- निदेशालय ने 5 दिसंबर, 2025 को "स्वस्थ शहरों के लिए स्वस्थ मिट्टी" थीम के साथ विश्व मृदा दिवस मनाया।
- निदेशालय ने 23 दिसंबर, 2025 को किसान दिवस मनाया।

### समझौता ज्ञापन

- 22 जुलाई 2025 को भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि., जबलपुर एवं विद्या श्री ट्रेडर्स, जबलपुर के बीच "मल्टी नोजल नैपसैक स्प्रेयर हेतु समायोज्य स्प्रे बूम होल्डिंग अटैचमेंट" प्रौद्योगिकी पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

### Meetings attended

- Dr. J.S. Mishra attended National Academy of Agricultural Scientists meeting organized by NAAS, New Delhi on 4 July 2025.
- Dr. V.K. Choudhary attended a meeting of ISWS organized by ICAR-DWR, Jabalpur on 4 July 2025.
- Dr. J.S. Mishra and Dr. Jamludheen A. attended online meeting under the chairmanship of DDG (NRM), ICAR for technology certification on 07 July 2025.
- Dr. J.S. Mishra, Dr. P.K. Singh, Dr. Sobha Sondhia and Dr. V.K. Choudhary attended online zoom meeting of the Certifying Products/Technologies Committee organized by DDG, ICAR-NRM Delhi on 7 July 2025.
- Dr. J.S. Mishra attended meeting conducted by Hon'ble Agriculture Minister regarding PM Kisan Samman Nidhi Programme organized by ICAR-New Delhi on 30 July, 2025.
- Dr. J.S. Mishra, Dr P.K. Singh and Mr M.K. Meena attended Nagar Rajbhasha Karyanyan Samiti meeting organized by NARAKAS Office Jabalpur on 31 July 2025.
- Dr. J.S. Mishra attended a meeting under the chairmanship of DG, ICAR for Future Plan 2050 organized by ICAR- New Delhi on 14 August 2025.
- Dr. Archana Anokhe attended online preparatory meeting for the preparation of India's Seventh National Report (NR-7) to the Convention on Biological Diversity (CBD) organized by National Biodiversity Authority of India on 4 September 2025.
- Dr. J.S. Mishra attended as Expert, meeting of the Selection Committee for the post of Associate Professor (Agronomy) in Visva Bharati, Santiniketan on 17 October, 2025.
- Dr. J.S. Mishra attended Interaction meeting with Hon'ble Director General, ICAR in ICAR New Delhi on 26 November 2025.
- Dr. J.S. Mishra attended Interaction meeting for State-level Workshop in ATARI, Jabalpur on 27 November 2025.
- Dr. J.S. Mishra Attended SAC meeting of KVK, Anuppur in KVK, Anuppur on 28 November 2025.

- Dr. J.S. Mishra attended 97<sup>th</sup> ICAR Foundation Day programme on 16 July, 2025.

### Days / Sangoshthi organized

- The Directorate organized Krishak Sangoshthi on the occasion of release of Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM-Kisan) under SCSP on 02 August, 2025.
- The Directorate celebrated World Soil Day with the theme "Healthy Soils for Healthy Cities" on 5 December, 2025.
- The Directorate celebrated Kisan Diwas on 23 December, 2025.

### MoU

- MoU has signed on the technology "Adjustable spray boom holding attachment for multi nozzle knapsack sprayer" between ICAR-DWR Jabalpur and Vidhya Shree Traders, Jabalpur on 22 July 2025.



**पुरस्कार एवं सम्मान / Awards and Recognitions**

- भा.कृ.अनु.प.-ख. अनु. नि., जबलपुर को वर्ष 2024 के लिए राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में उत्कृष्ट कार्य हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 31 जुलाई 2025 को आयोजित 16वीं छमाही बैठक में द्वितीय पुरस्कार (राजभाषा ट्रॉफी) प्रदान किया गया।
- डॉ. पी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-ख. अनु. नि., जबलपुर को मध्य प्रदेश शासन/जेएनकेवीवी, जबलपुर द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति का अध्यक्ष नामित किया गया है। यह समिति राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में नवीन कृषि शिक्षा नीति को सुदृढ़ बनाने हेतु वैधानिक सुधारों पर विचार-विमर्श करेगी।
- डॉ. जे.के. सोनी को नानजिंग, चीन में आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान कांग्रेस (आईडब्ल्यूएससी) में सहभागिता हेतु इंटरनेशनल वीड साइंस सोसाइटी साइंटिस्ट ट्रैवल सपोर्ट अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया तथा उन्हें आईएचएफ यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड 2023 भी प्रदान किया गया, जो 20-21 नवंबर 2025 को आयोजित पैसल-2025 के दौरान प्रदान किया गया।
- डॉ. जे.के. सोनी को पैसल-2025 में "इकोसिस्टम सर्विसेज़ एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन" विषय के अंतर्गत मिज़ोरम की मक्का एवं उपभूमि धान प्रणालियों में अनाज-दलहन अंतरफसल के माध्यम से खरपतवार दमन एवं उत्पादकता वृद्धि पर प्रस्तुत शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार (द्वितीय स्थान) प्रदान किया गया।
- डॉ. दासारी श्रीकांत को 16 अक्टूबर 2025 को द सोसाइटी फॉर साइंस ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबल एनवायरनमेंट, नई दिल्ली तथा 24 दिसंबर 2025 को तेलंगाना एकेडमी ऑफ साइंसेज़, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा "यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया।



- ICAR-DWR, Jabalpur was conferred the Second Prize (Rajbhasha Trophy) for the year 2024 for outstanding work in the promotion and use of Official Language Hindi at the 16th half-yearly meeting organized by the Nagar Rajbhasha Karyanvayan Samiti on 31 July 2025.
- Dr. P.K. Singh, Principal Scientist, ICAR-DWR, Jabalpur, has been nominated as Chairman of a high-power committee constituted by MP Govt./JNKVV, Jabalpur to deliberate on statutory reforms in SAUs for strengthening new agricultural education policy.
- Dr. J.K. Soni was awarded the International Weed Science Society Scientist Travel Support Award 2025 for attending the 9<sup>th</sup> International Weed Science Congress (IWSC) at Nanjing, China, and also received the IAHF Young Scientist Award 2023, conferred during the PASEL-2025 held on 20-21 November 2025.
- Dr. J.K. Soni received the Best Oral Presentation Award (2<sup>nd</sup> Rank) at the PASEL-2025 for his paper on weed smothering and productivity gains through cereal-legume intercropping in maize and upland rice systems of Mizoram under the theme Ecosystem Services and Natural Resource Management.
- Dr. Dasari Srekanth received the Young Scientist Award from the Society for Science of Climate Change and Sustainable Environment, New Delhi on 16 October 2025, and from the Telangana Academy of Sciences, Hyderabad, Telangana on 24 December 2025.

- डॉ. वी.के. चौधरी को 24 नवम्बर 2025 को नई दिल्ली में भारतीय कृषि विज्ञान सोसायटी (इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी) द्वारा आई.एस.ए. फेलो अवार्ड-2024 से सम्मानित किया गया।
- डॉ. दासारी श्रीकांत को 24 दिसंबर 2025 को तेलंगाना एकेडमी ऑफ साइंसेज, हैदराबाद, तेलंगाना का "एसोसिएट फेलो" निर्वाचित किया गया।
- डॉ. चंद्रकांत सिंह को साइंटिफिक रिपोर्ट्स, बीएमसी प्लान्ट बायोलॉजी, क्रॉप रिसर्च जर्नल तथा फार्मिंग एंड मैनेजमेंट पत्रिकाओं में संपादक के रूप में मान्यता प्रदान की गई।
- डॉ. मनोज कुमार यादव को फ्रंटियर्स इन प्लान्ट साइंस एवं रिसर्च जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में मान्यता प्रदान की गई है, साथ ही उन्हें ओराइज़ा जर्नल की कार्यकारी परिषद (उत्तर क्षेत्र) का सदस्य भी निर्वाचित किया गया है।
- भा.कृ.अनु.प.-आईएआरआई, नई दिल्ली में 12-15 नवंबर 2025 को आयोजित आईसीएआर क्षेत्रीय खेल महोत्सव 2025 में डॉ. सुरभि होता एवं श्री वीरसिंह ने मिक्स्ट डबल्स कैरम में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। पुरुष एकल कैरम में श्री एस. के. बोस ने स्वर्ण पदक, श्री वीरसिंह ने रजत पदक, जबकि शॉट पुट में श्री नेमी चंद ने कांस्य पदक प्राप्त किया।



#### आईगॉट-कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के माध्यम से क्षमता निर्माण

भा.कृ.अनु.प.-ख.अनु.नि., जबलपुर के कर्मचारियों ने पेशेवर क्षमता निर्माण के लिए आई-गॉट-कर्मयोगी ([igotkarmayogi.gov.in](http://igotkarmayogi.gov.in)) प्लेटफॉर्म का सक्रिय रूप से उपयोग किया। इस अवधि के दौरान कुल 723 पाठ्यक्रम पूरे किए गए, जिनमें 1,020 सीखने के घंटे शामिल हैं।

#### शीर्ष कोर्स

- कंडक्ट रूल्स (36 प्रतिभागी)
- स्ट्रेस मैनेजमेंट (28)
- जनएआई फॉर एवरीवन (27)
- कृषि में एआई-नेतृत्व वाला डिजिटल परिवर्तन (21)
- ग्रीन रिवोल्यूशन से अमृत काल तक (18)
- समय प्रबंधन (15)

• Dr. V.K. Choudhary was conferred the ISA Fellow Award 2024 by the Indian Society of Agronomy (ISA), New Delhi, on 24 November 2025.

• Dr. Dasari Sreekanth elected as an "Associate Fellow", Telangana Academy of Sciences, Hyderabad, Telangana, on 24 December 2025.

• Dr. Chandrakant Singh recognised as editor in Scientific Report, BMC Plant Biology, Crop Research Journal and Farming and Management.

• Dr. Manoj Kumar Yadav has been recognized as an editorial member of *Frontiers in Plant Science* and the *Research Journal of Biotechnology*, and has also been elected as a member of the Executive Council (North Zone) of *Oryza Journal*.

• In the ICAR Regional Sports Meet 2025, held from 12-15 November 2025 at ICAR-IARI, New Delhi, Dr. Surabhi Hota and Mr. Veersingh won the gold medal in mixed doubles carrom. Mr. S. K. Bose secured the gold medal in men's singles carrom, while Mr. Veersingh won the silver medal in the same event, and Mr. Nemi Chand won the bronze medal in shot put.

#### Capacity Building through iGOT-Karmayogi Platform

The staff of ICAR-DWR, Jabalpur actively utilized the iGOT-Karmayogi ([igotkarmayogi.gov.in](http://igotkarmayogi.gov.in)) platform for professional capacity building. During the period, a total of 723 courses were completed, accounting for 1,020 learning hours.

#### Top Courses

- Conduct Rules (36 participants)
- Stress Management (28)
- GenAI for Everyone (27)
- AI-led Digital Transformation in Agriculture (21)
- Green Revolution to Amrit Kaal (18)
- Time Management (15)

## शीर्ष कर्मयोगी Top Karmayogi



डॉ. साहादेव आई.के.  
(246 पाठ्यक्रम; 187 घंटे)  
Dr. Sahadeo I.K.  
(246 courses; 187 hours)



श्री मुकेश कुमार मीणा  
(73 पाठ्यक्रम; 60 घंटे)  
Mr. Mukesh Kumar Meena  
(73 courses; 60 hours)



श्री राजेंद्र कुमार हाड़गे  
(37 पाठ्यक्रम; 51 घंटे)  
Mr Rajendra Kumar Hadge  
(37 courses; 51 hours)

## पदोन्नति

- डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रधान वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) को रुपये 37,400 – 67,000 + आरजीपी रुपये 10,000/- (संशोधित अनुसंधान वेतन स्तर – 14) में अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नत किया गया है।
- डॉ. जमालुद्दीन ए., वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र) को अगले उच्चतर वेतनमान रुपये 15,600–39,100 + आरजीपी रुपये 7,000/- (संशोधित अनुसंधान वेतन स्तर-11) में पदोन्नत किया गया है।

## पदग्रहण

- श्रीमती लक्ष्मी अरोरा ने 08.09.2025 को इस निदेशालय में सहायक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

## सेवानिवृत्ति

- श्री जी.आर. डोंगरे, मुख्य तकनीकी अधिकारी, 31.12.2025 को सेवानिवृत्त हुए।

## Promotion

- Dr. Vijay Kumar Choudhary, Principal Scientist (Agronomy) has been promoted to the next higher grade in Rs. 37,400 – 67,000 + RGP Rs. 10000/- (Revised Research Pay Level - 14).
- Dr. Jamaludheen A. Scientist, Agri. Economics has been promoted to the next higher grade Rs. 15,600 – 39,100 + RGP Rs. 7000/- (Revised Research Pay Level -11).

## Joining

- Mrs. Lakshmi Arora has joined in the post of Assistant at this Directorate on 08.09.2025.

## Retirement

- Shri G.R. Dongre, Chief Technical Officer retired on 31.12.2025.



## आगामी कार्यक्रम 2026 / Forthcoming Events 2026

**MARCH  
8–13**

**XVII International  
Symposium on Biological  
Control of Weeds**

Rotorua, New Zealand  
(<https://isbcw-rotorua.com/>)

**AUGUST  
16–22**

**21<sup>st</sup> Parthenium  
Awareness Week**

The ICAR–Directorate of Weed Research,  
Jabalpur will coordinate the national-level  
21<sup>st</sup> Parthenium Awareness Week

**NOVEMBER  
18–21**

**4<sup>th</sup> International Weed  
Conference**

Being organized by  
the Indian Society of Weed Science at  
Punjab Agricultural University, Ludhiana  
(<https://www.isws.org.in/Conference/>)

## सम्पादकीय मण्डल

डॉ. जे.के. सोनी, डॉ. ए. जमालुद्दीन, डॉ. दीक्षा एम.जी.,  
डॉ. हिमांशु महावर एवं श्री संदीप धगत

रूपांकन एवं संयोजन

श्री दाऊद रजा खान

प्रकाशक

डॉ. जे.एस. मिश्र, निदेशक

भाकूअनुप-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय

जबलपुर - 482004 (म.प्र.)

## Editorial Team

Dr. J.K. Soni, Dr. A. Jamaludheen, Dr. Deeksha M.G.,  
Dr. Himanshu Mahawar and Mr. Sandeep Dhagat

Designed and Composed by

Mr. Daud Raza Khan

Published by

Dr. J.S. Mishra, Director

ICAR-Directorate of Weed Research

Jabalpur -482004 (M.P.)

फोन / Phones: +91-761-2353001, 23535101, 23535138, 2353934, फैक्स / Fax: +91-761-2353129

ई-मेल / Email: [director.dwr@icar.org.in](mailto:director.dwr@icar.org.in) वेबसाइट / Website: <http://dwr.org.in>

फेसबुक लिंक / Facebook Link- <https://www.facebook.com/ICAR-Directorate-of-Weed-Research-101266561775694>

ट्विटर लिंक / Twitter Link- <https://twitter.com/DwrIcar>

यूट्यूब लिंक / Youtube Link - <https://www.youtube.com/channel/UC9WOjNoMOttJaIwDlFumMnA>

